A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-89 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहार उपचुनाव में क्यों फ्लॉप हुई प्रशांत किशोर की रणनीति?

शैलेष

भारत में चुनाव के सबसे बड़े रणनीतिकार माने जाने वाले प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, बिहार विधानसभा के उप चुनाव में कोई करिश्मा नहीं दिखा पायी। चारों सीटों पर एनडीए जीत गया। राज्य की राजनीति के नए नवेले खिलाड़ी प्रशांत किशोर की पार्टी कोई सीट तो नहीं जीत सकी, लेकिन आरजे डी- कांग्रेस के इंडिया गठबंधन की हार को आसान कर दिया। यानी दूसरी तरफ से देखें तो बीजेपी- जेडीयू गठबंधन के लिये फायदेमंद साबित हुए।

इस साल अक्टूबर में जब प्रशांत किशोर ने जन सुराज पार्टी की स्थापना और विधानसभा उप चुनाव लड़ने की घोषणा की तब से ही आरजेडी और इंडिया गठबंधन के नेता आरोप लगा रहे थे कि प्रशांत किशोर का बीजेपी से अघोषित समझौता है। वो सिर्फ़ इंडिया गठबंधन का वोट काटने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उप चुनाव के नतीजों को 2025 के विधानसभा चुनावों का संकेतक माना जाए तो तो ये इंडिया गठबंधन के लिए शुभ संकेत नहीं है। खास बात ये है कि उप चुनाव जिन सीटों पर हुआ, उन पर पहले इंडिया गठबंधन का कब्जा था। इंडिया गठबंधन के विधायकों के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण ये सीटें ख़ाली हुई थीं। वो लोकसभा जीते, लेकिन उनकी पार्टी विधानसभा उप चुनाव हार गई।

राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने जिस दम खम के साथ चुनाव लड़ने की घोषणा की थी वो उनकी पार्टी के नतीजों में दिखायी नहीं दी। लेकिन एनडीए की जीत आसान हो गई। आरजेडी ने रामगढ़ क्षेत्र से अपने प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के छोटे बेटे अजीत सिंह को खड़ा किया था। यह सीट जगदानंद के बड़े बेटे सुधाकर सिंह के लोकसभा में चुने जाने से ख़ाली हुई थी।

अजीत सिंह का विधानसभा में जाने का सपना अधूरा रह गया, नतीजों में वो तीसरे नंबर पर रह गए। बीजेपी के अशोक सिंह जीते। दूसरे नंबर पर बीएसपी के सतीश यादव और जन सुराज के सुशील कुमार कुशवाहा चौथे नंबर पर रहे। कुशवाहा पहले बीएसपी में थे और बीएसपी के संस्थापक कांशी राम के साथ क़रीब 30 सालों तक काम किया था। फिर भी वो बीएसपी के अधिकृत उम्मीदवार सतीश यादव से काफी पीछे रह गए। प्रशांत ने परिवारवाद का नारा देकर जगदानंद के राजनीतिक दबदबे पर चोट की, जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखाई दिया।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी इमामगंज सीट क़रीब 53 हज़ार वोट पाकर इसलिए जीत पाई कि जन सुराज पार्टी के डॉ. जितेंद्र पासवान को 37 हज़ार से ज़्यादा वोट मिल गए। जितेंद्र पासवान ने आरजेडी का वोट काटा इसलिए उसके उम्मीदवार रोशन मांझी क़रीब 47 हजार वोट पर सिमट कर दूसरे नंबर पर रह गए।

इमामगंज सीट पर जितेंद्र पासवान को इतना ज्यादा वोट मिलने से जन सुराज पार्टी का राजनीतिक महत्व जरूर स्थापित होता है।

तरारी सीट को सीपीआईएमएल का गढ़ माना जाता है। यहां बीजेपी ने बाहुबली के रूप में प्रचारित सुनील सिंह के बेटे विशाल प्रशांत को वामपंथी क़िला भेदने के लिए खड़ा किया। सीपीआईएमएल की हार का कारण जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार भी बने जिन्हें वोट तो ज़्यादा नहीं मिला लेकिन सीपीआईएमएल के ख़िलाफ़ माहौल बनाने में पूरी मदद की। बेला गंज सीट को जेडीयू की मनोरमा देवी ने आरजेडी से छीन लिया, इसमें भी जन सुराज पार्टी की भूमिका रही। मनोरमा देवी क़रीब 20 हजार वोटों से जीतीं, इसमें से 17 हजार तो जन सुराज के मोहम्मद अमजद ले गए। वैसे मनोरमा देवी जेडीयू और आरजेडी में आती जाती रही हैं। लेकिन महत्वपूर्ण बात ये है कि इस क्षेत्र में मुसलिम मतदाताओं ने जन सुराज पार्टी को समर्थन दिया। यह आरजेडी का बड़ा नुक़सान है क्योंकि आरजेडी को यादवों के बाद सबसे ज़्यादा समर्थन मुसलमानों से मिलता रहा है।

उपचुनाव के लिए प्रशांत किशोर ने जिस तरह से टिकट दिया उससे ये साफ़ हो गया था कि उनकी नजर एक व्यापक सामाजिक समीकरण खड़ा करने पर है। चार में से एक सीट मुसलमान, एक दलित (पासवान), एक पिछड़ा, और एक महिला को दिया। उम्मीदवारों के चयन से उन्होंने ये भी बताने की कोशिश की कि वो निरक्षर और अपराध हावी राजनीति से दूर जाना चाहते हैं। जबकि एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही परिवारवाद और धनबल- बाहुबल की राजनीति में फँसे हुए हैं। जन सुराज पार्टी पहली बार चुनाव लड़ रही थी, उसके हिसाब से चार में से दो क्षेत्रों में उसका प्रदर्शन ठीक ठाक माना जा सकता है। इन नतीजों से इतना तो साफ़ है कि विधानसभा के अगले चुनाव में वो इंडिया गठबंधन के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसका सीधा फायदा एनडीए को हो सकता है।

प्रशांत किशोर परिवारवाद को एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यही काम एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर रहे हैं। बिहार में एनडीए और बीजेपी के निशाने पर पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव का परिवार है, जिसकी कमान अब लालू के पुत्र तेजस्वी यादव के हाथों में है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

महाराष्ट्र में शिंदे का सरेंडर आ गई देवेन्द्र की बारी!

- एकनाथ शिंदे बोले-भाजपा का सीएम हमें मंजूर,पद की लालसा नहीं
- जब मुख्यमंत्री था तब मोदी साथ खड़े रहे,जो फैसला लेंगे वह स्वीकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब एनडीए का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है।

हम अड़चन नहीं, पूरी शिवसेना को मोदीजी का फैसला स्वीकार

शिंदे ने कहा, मैंने मोदीजी-शाहजी को फोन किया। मैंने उनसे कहा कि आपका जो भी फैसला होगा, हमें स्वीकार है। भाजपा की बैठक में आपका कैंडीडेट चुना जाएगा, वो भी हमें स्वीकार है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं है। आप सरकार बनाने को लेकर जो फैसला लेना चाहते हैं, ले लीजिए। शिवसेना और मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है।

- **मैं आम आदमी, कभी खुद को सीएम नहीं समझा** – एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे। एकनाथ शिंदे बोले, हमने ढाई साल सरकार चलाई। इस दौरान केंद्र सरकार हमारे साथ मौजूद रही, खड़ी रही।
- **मैं आपका लाडला भाई, ये लोकप्रियता ज्यादा अच्छी**– शिंदे ने कहा,जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्मंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। राज्य की बहनें और भाई अब खुश हैं। बहनों ने मेरा साथ दिया और मेरी रक्षा की, अब मैं उनका लाडला भाई हूं, यह पहचान अच्छी है।

निवेश के लिए विभिन्न सेक्टर्स में उद्योगपतियों ने दिखाई रुचि : मुख्यमंत्री

औद्योगिक प्रगति के पथ पर अग्रसर मध्यप्रदेश में है निवेश के हैं सुनहरे अवसर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि हम विदेशी निवेश को मध्यप्रदेश की धरती पर आमंत्रित करने के लिए यहां आए हैं। अनेक उद्योगपतियों ने विभिन्न सेक्टर्स में निवेश के लिए रूचि दर्शायी है। आईटी सेक्टर, शिक्षा, रिन्यूएबल एनर्जी, उद्योग, माइनिंग, फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ और सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में निवेश के लिए उद्योगपति आगे आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति का मुख्य आधार वहां के उद्योग धंधे हैं। औद्योगिक दृष्टि से कौन कितना अधिक संपन्न है। यह उनकी इंडस्ट्रियल ग्रोथ बताती है, जितने अधिक उद्योग धंधे होंगे उतने अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने निवेशकों को प्रदेश में आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चाहे अमेरिका हो या जर्मनी हो उद्योग धंधे विकास का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लंदन में स्थानीय मीडिया से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लंदन आकर अच्छा लगा यहां हमारे कई सारे भारतवंशी मित्रों के साथ मुलाकात हुई, जो कई साल पहले भारत से इंग्लैंड में आकर बस गए थे और यहां विभिन्न क्षेत्रों में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उनके साथ निवेश संबंधी संभावनाओं पर भी विचार किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आहवान पर प्रवासी भारतीय भाई अपनी जड़ों से जुड़ने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी यूके यात्रा निवेश की दृष्टि से बहुत सार्थक रही है। इसके परिणाम हमें फरवरी-2025 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की ओर से सभी निवेशकों का मध्यप्रदेश में आत्मीय स्वागत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का निवेश को लेकर गंभीर दृष्टिकोण, यूके में निवेशकों को किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूके यात्रा में मध्यप्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए लंदन के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-ऑन-वन मीटिंग कर व्यक्तिगत तौर पर निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने सेक्टर केंद्रित राउंड-टेबल मीटिंग कर निवेश संबंधी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने वन-ऑन-वन बैठकों में प्रत्येक निवेशक की परियोजना और आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुना और मध्यप्रदेश में निवेश के लिए बेहतर अवसर और नीतिगत समर्थन का भरोसा दिलाया। राउंड-टेबल चर्चाओं में इलेक्ट्रिक वाहन, नवकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडोरामा ग्रुप, एसआरएएम एंड एमआरएएम ग्रुप, सायनकॉननोड, हाइब्रिड एयर व्हीकल्स लिमिटेड, क्लिनीसप्लाईज, औरोरा एनर्जी रिसर्च, एल्सेवियर, वीडिलीवर, कैपरो, वेवसाइट, द मोंटकैल्म लग्ज़री होटल्स, फाइला अर्थ, एम्पर्जिया लिमिटेड, अयाना कंसल्टिंग, पैंजिया डेटा लिमिटेड, इनवर्जी, बीईएम ग्रुप लिमिटेड, डैक्स फर्स्ट, रैनसैट ग्रुप, कोगो इकोटेक सॉल्यूशंस, एम्पैटी.एआई, मनी फॉर बिजनेस लिमिटेड, डीएएम हेल्थकेयर लिमिटेड और हेलियन जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की।

सुप्रभात

बस इतना है अपराध मेरा
मैंने जीवन जीना चाहा
हंसना चाहा, रोना चाहा
अपने जैसा, होना चाहा
हिम्मत रक्खी सब खोने की
सब खोकर, कुछ पाना चाहा
इतनी कोशिश के बाद भी मैं
हाथों को खाली पाती हूं
मैं रोज़ यही दुहराती हूं
बस इतना है अपराध मेरा
मैंने जीवन जीना चाहा
अब मुझसे हैं नाराज़ सभी
क्यूं मैंने हक़ की बात कही
क्यूं उनकी सीमाएं तोड़ी
क्यूं अपने मन के साथ बही
क्यूं ज़ख्मों को सीना चाहा
क्यूं जीवन रस पीना चाहा
सब सुनकर चुप रह जाती हूं
भीतर भीतर घबराती हूं
बस इतना है अपराध मेरा
मैंने जीवन जीना चाहा
है अपनेपन का रोग मुझे
छलते रहते हैं लोग मुझे
मैं आंचल मैला करती हूं
कैसे कैसों से डरती हूं
कितने दुःख मुझमें रहते हैं
अब तो अपनें भी कहते हैं
क्यूँ विष तूने पीना चाहा
इस रुप में क्यूं जीना चाहा
ऑसू अपनें पी जाती हूं
फिर मुश्किल से कह पाती हूं
बस इतना है अपराध मेरा
मैंने जीवन जीना चाहा।

- मनस्वी अपर्णा

आरक्षण के लिए धर्म परिवर्तन करना संविधान से बड़ा धोखा

- सुप्रीम कोर्ट बोला-क्रिश्चियन धर्म अपनाया,अब नौकरी के लिए हिंदू होने का दावा सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ धोखा है। अदालत ने यह फैसला 26 नवंबर को उस केस में सुनाया, जिसमें एक महिला ने

क्रिश्चियन धर्म अपना लिया था, लेकिन बाद में शेड्यूल कास्ट सर्टिफिकेट हासिल करने के लिए दावा किया कि वो हिंदू है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील को ठुकरा दिया और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जब वास्तव में यकीन हो तब धर्म परिवर्तन करें जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस आर महादेवन ने मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। बेंच ने कहा, किसी को भी धर्म परिवर्तन तब करना चाहिए, जब वो वास्तव में उस धर्म के मूल्यों, विचारों और आस्था से प्रेरित हुआ हो। बिना आस्था धर्म परिवर्तन को इजाजत नहीं अदालत ने कहा,अगर धर्म परिवर्तन का मकसद आरक्षण का फायदा उठाने के लिए हो, लेकिन व्यक्ति को उस धर्म पर भरोसा नहीं हो तो इसे इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसे में ये सिर्फ रिजर्वेशन पॉलिसी और सामाजिक स्वभाव को नुकसान पहुंचाएगा। बाप्टिज्म के बाद हिंदू होने का दावा नहीं कर सकते बेंच ने कहा,हमारे सामने जो सबूत रखे गए, उसके आधार पर बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने क्रिश्चियन धर्म अपनाया और वो लगातार चर्च जाती है, यानी वो धर्म का पालन भी कर रही है। लेकिन दूसरी तरफ वो यह दावा कर रही है कि वो हिंदू है। वो रोजगार के लिए एससी सर्टिफिकेट चाहती है। वो दो दावे कर रही है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा

यंत्र में तंत्र भी छिपा है और मंत्र भी, इसका उपयोग मानव उद्देशीय होना चाहिए

भोपाल। अपनी 6 दिवसीय लंदन यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार को यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक पहुंचे। यहां मौजूद भारत और मप्र के स्टूडेंट्स को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इनसे अपने देश को होने वाले फायदे की उम्मीद जताई। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए प्रेजेंटेशन को सीएम डॉ यादव ने सराहा। उन्होंने कहा कि आज का दौर नवाचार का है।

इन नवाचारों से तकनीक के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। जिनसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए हमें सक्षमता मिल रही है।

यंत्र, तंत्र, मंत्र...- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि किसी भी काम में यंत्र का बड़ा महत्व है। जहां यंत्र है, वहां तंत्र भी जरूरी है। साथ ही इसकी सफलता का एक मंत्र भी है, जिसका उपयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में में सामर्थ्य है, सुंदरता भी है और संस्कृति भी है। मानव उद्देशीय प्रयासों में ही सार्थकता का समावेश हो सकता है।

मप्र में ऑटोमोबाइल सेक्टर में बहुत संभावनाएं- डॉ मोहन यादव ने कहा कि मप्र में ऑटोमोबाइल सेक्टर में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इनको बरकरार रखने और इनमें बढ़ोतरी करने के लिए हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे इस देश और इस यूनिवर्सिटी में आएं और नई तकनीक सीखें।

उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक को भी आमंत्रित किया कि वे हमारे देश और प्रदेश आएं और वहां के स्टूडेंट्स को नई तकनीकों की शिक्षा दें।

रिसर्च सतत प्रक्रिया- सीएम डॉ मोहन यादव ने यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक की नई तकनीक और इसके लिए की गई रिसर्च की सराहना की। उन्होंने कहा कि रिसर्च एक सतत प्रक्रिया है, जिससे समूचे समाज को लाभ मिलता है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 23 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 28 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

मणिपुर : 6 लोगों के हत्यारों को पकड़ने तक जारी रहेगा अभियान

● सीएम बीरेन बोले-जिरीबाम घटना के आरोपी नहीं बचेंगे ● मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ शुरू हो गया ऑपरेशन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने उग्रवादियों को पकड़ने के लिए बड़े स्तर पर ऑपरेशन लॉन्च किया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि जिरीबाम जिले में अपहरण कर मारे गए तीन बच्चों और तीन महिलाओं के हत्यारों को पकड़ने के लिए पूरे राज्य में अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 7 और 11 नवंबर को जिरीबाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद सीआरपीएफ की दो कंपनियों को वहां भेजा गया था। इसके तुरंत बाद ही पांच अतिरिक्त कंपनियों को वहां तैनात

किया गया। बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन कुछ आरोपियों की पहचान की गई है। जब तक गुनहगारों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ केस दर्ज नहीं किया जाता है, ऑपरेशन जारी रहेगा। हम जनता को बताना चाहते हैं कि मौजूदा हालात में हम मीडिया के जरिए आपको जानकारी नहीं दे पाएंगे। कई ऐसे मौके रहे हैं,जब सरकार ने सार्वजनिक तौर पर कोई ऐलान किया है और उसका फायदा उठाकर अभियानों को रोकने की कोशिश की।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की घटना पर भारत नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में इॅस्कान के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद भारत समेत कई जगहों से आलोचना हो रही है। यह गिरफ्तारी बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के बीच हुई है। चिन्मय कृष्ण दास,

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे थे। उन पर अक्टूबर में चट्टोग्राम में एक रैली में बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने का आरोप है। भारत सरकार ने इस गिरफ्तारी पर नाराजगी व्यक्त की है और बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।

गजबे कर दिया!

फडणवीस ने अपने दो पीए को भी बना दिया एमएलए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कई नेताओं के निजी सहायक (पीए) भी विधायक बनकर विधान भवन पहुंचे हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दो पीए सुमित वानखेड़े और अभिमन्यु पवार ने क्रमश: अरवी और औसा सीटों से जीत हासिल की। हालांकि

एकनाथ शिंदे के पीए बालाजी खटगांवकर को मुक्हेड सीट से हार का सामना करना पड़ा। यह घटनाक्रम प्रशासनिक तबके से आने वाले उम्मीदवारों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। ये पीए अपने प्रशासनिक अनुभव का लाभ उठाकर चुनावी मैदान में उतरे और उन्हें सफलता भी मिली। पहले भी कई पीए विधायक और एमपी बन चुके हैं। इनमें दिलीप वालसे पाटिल और मिलिंद नार्वेकर जैसे नाम हैं। सुमित और अभिमन्यु पवार, फडणवीस के पीए रहे हैं।

तमिलनाडु से 2 दिन में टकरा सकता है फेंगल तूफान

चेन्नई (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान आज चक्रवात में बदल गया है। अगले दो दिन यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान 75-80 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से हवाएं चलेंगी। चेन्नई, चेंगलपेट, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, कुड्डालोर, नागापट्टिनम में लगातार बारिश जारी है। इन 6 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। चेन्नई में मंगलवार को 7 फ्लाइट्स लेट हो गईं।

तूफान के असर को लेकर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हाई-लेवल बैठक की। एनडीआरएफ की 7 टीमों को तिरुवरुर, मयिलादुथुरई, नागापट्टिनम और कुड्डालोर जिले में तैनात किया गया है। 7 नवंबर को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, 28 और 29 नवंबर को भी तटीय इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। 27 नवंबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने यूके (लंदन) में स्वामीनारायण मंदिर में पूजा अर्चना की।

प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामलों में अब संबंधित विभाग को चार माह में देनी होगी अभियोजन की स्वीकृति

शासकीय सेवकों के भ्रष्टाचार से जुड़े 274 प्रकरण लंबित

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में शासकीय सेवकों पर चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों में संबंधित विभाग अभियोजन की स्वीकृति को लटकाकर नहीं रख सकेंगे। उन्हें चार माह में अभियोजन स्वीकृति देनी ही होगी। केंद्र सरकार ने इसे लेकर राज्यों को निर्देश दिए हैं कि भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन की स्वीकृति देने में विलंब नहीं होना चाहिए।

कहा गया है कि ऐसे मामलों में चार माह के भीतर आरोपित शासकीय सेवक के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी जाए। इसके आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में वैसे तो तीन माह में अभियोजन की स्वीकृति दी जानी चाहिए, पर विशेष परिस्थिति में यह अवधि अधिकतम एक माह बढ़ाई जा सकती है।

अभियोजन की स्वीकृति लंबित है- भारत सरकार के कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। बता दें, मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार से जुड़े 274 प्रकरण लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में चल रहे हैं। इनमें अधिकतर मामलों में अभियोजन स्वीकृति लंबित है।

लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में 35 कलेक्टर-एसडीएम सहित 27 विभागों के 274 आरोपित- विधानसभा में दी गई जानकारी के आधार पर लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में 35 कलेक्टर-एसडीएम सहित 27 विभागों के 274 शासकीय अधिकारी -कर्मचारी आरोपित बनाए गए हैं। इनमें सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी रमेश थेटे के विरुद्ध 25 प्रकरण दर्ज है। अधिकांश प्रकरणों में रमेश थेटे के साथ तहसीलदार आदित्य शर्मा भी आरोपित बनाए गए हैं। इनके विरुद्ध वर्ष 2013 में ही अलग-अलग दिनांक को विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वर्ष 2014 और 2015 में अभियोजन स्वीकृति मांगी गई थी।

कलेक्टरों और एसडीएम के नाम शामिल- अन्य आईएएस अधिकारियों में सेवानिवृत्त आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव, बृजमोहन शर्मा, कवींद्र कियावत, अरुण कोचर, अखिलेश श्रीवास्तव, शिवपाल सिंह, मनोज माथुर सहित 35 कलेक्टर, एसडीएम के नाम शामिल है।

जम्मू के 4 जिलों के 56 ठिकानों पर पुलिस की छापेमारी

लश्कर-जैश से जुड़े होने का शक था

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने दो दिन में 56 आतंकवादी ठिकानों पर रेड कर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कई संदिग्ध आतंकवादियों और ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया है। जम्मू रीजन के चार जिलों में हुई छापेमारी में पुलिस को कई हथियार, कैश, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेज बरामद हुए हैं। इंटेलीजेंस के आधार पर पुलिस ने

मंगलवार को राजौरी जिले में घरों सहित 9 इलाकों की कई लोकेशन पर छापे मारे। इसके अलावा दो दिन में पुंछ की 12, उधमपुर की 25 और रियासी की 10 लोकेशन पर पुलिस ने रेड की। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजी) आनंद जैन ने कहा कि जब्त किए गए सामान और जानकारी के आधार पर आगे की जांच की जाएगी।

संभल में 'बवालियों' से ही होगी नुकसान की वसूली

● चौराहों पर 100 आरोपियों के लग गए पोस्टर, महिलाएं भी शामिल

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल की जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर जमकर बवाल देखने को मिला और उपद्रवियों ने हिंसा का खूब तांडव मचाया। पुलिस पर पत्थरबाजी करने से लेकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तक की जुर्रत करने वालों के खिलाफ अब योगी सरकार सख्त हो गई है और यह तय किया गया है कि नुकसान की सारी वसूली पत्थरबाजों से ही की जाएगी।

बता दें कि संभल में हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हुई थी और कई पुलिसवाले समेत आम लोग घायल हुए थे। उपद्रवियों ने गाड़ियों में आग लगाने से लेकर जमकर पत्थरबाजी की थी। एक तरफ जहां अब हालात सामान्य हो रहे हैं तो अब दूसरी ओर योगी प्रशासन पत्थरबाजों और उपद्रवियों की तलाश जारी है। योगी सरकार द्वारा यह तय किया गया है कि पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर्स सार्वजनिक जगहों पर वॉन्टेड की तरह लगाए जाएंगे। इसके अलावा जो उपद्रवी पकड़ में नहीं आएंगे, उनके ऊपर इनाम घोषित किया जाएगा। यह स्पष्ट संकेत हैं कि संभल हिंसा मामले के आरोपियों को, योगी प्रशासन बिल्कुल भी बख्शने वाला नहीं हैं।

झांसी अग्निकांड पर यूपी सरकार का बड़ा ऐक्शन

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल हटाए गए और 3 सस्पेंड, बच्चों की मौत पर गिरी गाज

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड में 10 बच्चों की मृत्यु के मामले में योगी सरकार ने बड़ी कार्यवाही की है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के प्रिंसिपल को हटा दिया है। उन्हें लखनऊ से अटैच किया गया है। इसके साथ ही कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को आरोप पत्र एवं 3 अन्य को निलंबित किया गया है।
प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को अटैच किया गया है। वहीं चाइल्ड डिपार्टमेंट के जूनियर इंजीनियर, नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज को सस्पेंड किया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई

हृदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में एक जांच कमेटी का गठन किया गया था। जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है। इसके साथ ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर को आरोप पत्र दिया गया है। एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज संध्या राय व अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौर को जांच का प्रभारी बनाया गया है। 15 नवम्बर को झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में आग लगने से दस बच्चों की मृत्यु हो गई थी। हादसे के तुरंत बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक घटनास्थल पर पहुंचे थे और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी थी। साथ ही दोषियों पर कार्यवाही का आश्वासन दिया था।

अडानी को जेल में होना चाहिए मोदी सरकार उन्हें बचा रही है

● राहुल गांधी ने अडानी मामले में एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को घेरा
● अडानी मुद्दे पर संसद में जबरदस्त हंगामा, विपक्ष ने की चर्चा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गौतम अडानी के खिलाफ कार्रवाई न करने पर मोदी सरकार की आलोचना की है। अडानी के खिलाफ अमेरिकी अधिकारियों ने रिश्वतखोरी के आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी ने बुधवार को संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि आपको क्या लगता है कि अडानी आरोपों को स्वीकार करेंगे। जाहिर है कि वे आरोपों से इनकार देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुद्दा यह है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सैकड़ों लोगों को छोटे-छोटे आरोपों में गिरफ्तार किया जा रहा है और सज्जन (गौतम अडानी) पर अमेरिका में

हजारों करोड़ रुपये का आरोप है, उन्हें जेल में होना चाहिए। सरकार उन्हें बचा रही है। अडानी समूह की ओर से बुधवार को जारी बयान में दावा किया गया गया कि अमेरिकी भ्रष्टाचार प्रैक्टिस एक्ट के तहत आरोप लगाए जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। और गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी , विनीत जैन पर यूएस डीओजे के अभियोग या यूएस एसईसी की सिविल शिकायत में निर्धारित मुकदमों में किसी भी उल्लंघन का आरोप नहीं है। इससे पहले सोमवार अडानी समूह ने रिश्वत खोरी के आरोपों को आधारहीन बताया था। अब सेबी की तरफ से स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

हैवानियत ! 25 दिन में 5 मर्डर, लाश से भी किया रेप

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड में बीते 14 नवंबर को 19 साल की छात्रा की रेप के बाद हत्या करने वाला आरोपी सीरियल किलर निकला है। आरोपी ने इस वारदात के पहले 25 दिन में ही चार और हत्याओं का जुर्म कबूल किया है। गुजरात पुलिस ने आरोपी को 5 दिन की

रिमांड पर लिया है। पूछताछ में और भी वारदातों का खुलासा होने की आशंका है। वलसाड के पारडी तालुका के मोतीवाला इलाके में रहने वाली बीकॉम सेकंड ईयर की स्टूडेंट ट्यूशन से घर लौट रही थी। इसी दौरान सुनसान इलाके से गुजरते वक्त आरोपी उसे झाड़ियों में खींचकर ले गया।

बुझे वाला सब बूझता है...

बिहार में खरमास से पहले फिर हो सकता है 'खेला' !

● नीतिश-तेजस्वी ने इशारों में की बात, राजनीतिक अटकलें बढ़ीं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच इशारों में बातचीत हुई। इससे नीतिश कुमार के फिर से पाला बदलने की अटकलें तेज हो गई हैं। तेजस्वी ने इस पर कहा कि बुझे वाला सब बुझता है (समझने वाला सब कुछ समझ रहा है)। तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद अटकलों का बाजार गरम है। अभी से ही कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। दरअसल, नीतिश कुमार बार-बार कहते रहे हैं कि वे बीजेपी का साथ नहीं छोड़ेंगे। वे मानते हैं कि कुछ लोगों के बहकावे में आकर वे आरजेडी के साथ चले गए थे। अब वे कहते हैं कि मरते दम तक एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे। कई मौकों पर उन्होंने सार्वजनिक रूप से बीजेपी और बिहार की जनता को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की है लेकिन लोगों को अभी भी उनकी बातों पर शक है। विधानसभा

में तेजस्वी और नीतिश के बीच इशारों में हुई बातचीत ने फिर से राजनीतिक हलचल मचा दी है। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद तेजस्वी से जब इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने भी इशारों में ही जवाब दिया।

भोपाल में मानसिक बीमार युवक ने किया सुसाइड

घर के पीछे आम के पेड़ पर लटकी मिली लाश

भोपाल (नप्र)। रातीबड़ थाना क्षेत्र के बड़झिरी में मंगलवार को एक युवक ने आत्महत्या कर ली। उसका शव घर के पीछे आम के पेड़ पर मफलर से बने फंदे पर लटका मिला। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पीएम के बाद बॉडी परिजनों के हवाले कर दी गई है। पुलिस की शुरूआती जांच में साफ हुआ कि युवक मानसिक बीमार था।

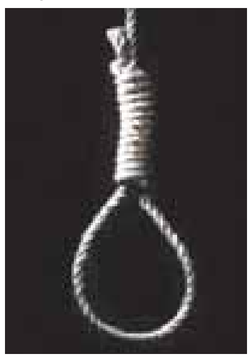

पुलिस के मुताबिक बड़झिरी गांव निवासी जगदीश सिंह (25) पुत्र माधव सिंह अपने बड़े पापा के घर में मां और छोटी बहन के साथ रहता था। सोमवार सुबह जगदीश किसी काम से घर से निकला और देर रात घर नहीं पहुंचा। जिस पर उसके बड़े पापा सहित परिजनों ने उसकी खोजबीन की लेकिन वो नहीं मिला। मंगलवार को जगदीश का शव परिजनों को घर के पीछे आम के पेड़ से लटका मिला। जगदीश ने मफलर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

बड़े पापा के साथ रहता था परिवार- पुलिस के मुताबिक जगदीश कुछ काम नहीं करता था। उसके पिता ने मरने से पहले सारी संपत्ति बेच दी थी। जिस वजह से वो अपनी मां और छोटी बहन के साथ बड़े पापा के यहां रहता था। उसकी मानसिक स्थिति सही नहीं थी और तनाव में चल रहा था। उसकी मां की भी मानसिक स्थिति सही नहीं है। इन तमाम कारणों के चलते वह परेशान रहता था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मां की मानसिक हालत और अन्य कारणों के चलते खुद की भी दिमागी हालत खराब होने की वजह से उसने जान दी है।

दलित समाज से रोटी-बेटी का व्यवहार कराएं श्री धीरेंद्र शास्त्री : निजामी

मुस्लिम लीग ने कहा- मंदिर-मठों में एससी/एसटी को भी पुजारी बनाएं, तभी यात्रा सार्थक

भोपाल (नप्र)। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा पर कहा है कि हम इसका सम्मान और स्वागत करते हैं। लेकिन, यह यात्रा तब ही सार्थक होगी, जब आप सबसे पहले दलितों-आदिवासियों से रोटी-बेटी का व्यवहार करोगे। दलित और आदिवासी समाज के लोगों को मंदिर - मठों में पुजारी बनाओगे।

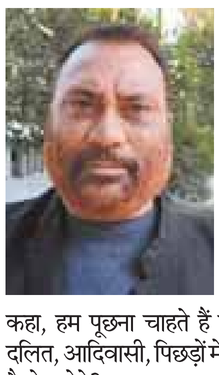

21 नवंबर को छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम से शुरु हुई कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा शुक्रवार को ओरछा में समाप्त होगी। मुस्लिम लीग के प्रवक्ता पीरजादा तौकीर निजामी ने कहा, हम पूछना चाहते हैं कि आपने जो 6443 जातियों को दलित, आदिवासी, पिछड़ों में बांट रखा है, तो इन सबको आप एक कैसे करोगे?

दलित समाज में शादी कर खुद पहल करें शास्त्री- निजामी ने कहा, मुझे लगता है कि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और हैं। सबसे पहले पंडित जी आपको पहल करना चाहिए। पंडित जी अगर आप दलित समाज में शादी कर लेते हैं, तो सबसे अच्छा काम होगा। जाति तोड़ो धर्म को जोड़ो, सभी समाज में अच्छा मैसेज जाएगा।

भोपाल में वेस्ट जोन इंटर स्कूल बैंड टूर्नामेंट शुरू

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में मध्यप्रदेश, राजस्थान समेत 7 राज्यों के बीच इंटर स्कूल बैंड टूर्नामेंट की शुरुआत बुधवार को हुई। सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में बालक वर्ग की वेस्ट जोन इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता में 240 बच्चे प्रदर्शन करेंगे। विजेता टीम अगले साल 24-25 जनवरी को नई दिल्ली में प्रदर्शन करेगी। प्रतियोगिता में वेस्ट जोन के 6 राज्य- मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और केंद्र शासित प्रदेश दमन एवं दीव, दादर नगर हवेली की राज्य विजेता टीमें भाग ले रही हैं। सभी टीमें पाइप बैंड और ब्रास बैंड विधा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। 'भारत माता की जय'... के साथ प्रस्तुति शुरू, बैंड में शामिल बच्चों ने 'भारत माता की जय'... के साथ अपनी प्रस्तुति शुरू की। वहीं, देशभक्ति गीतों की धुन पर प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों पर तालियों से गूंज उठा ग्राउंड देशभर से आए बच्चों की प्रस्तुतियों से पूरा ग्राउंड तालियों से गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने प्रदर्शन को सराहा। स्कूल शिक्षा मंत्री-खेल मंत्री आएंगे । सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय शिवाजी नगर में बालक वर्ग की वेस्ट जोन इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता के शुभारंभ मौके पर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह आने वाले थे, लेकिन वे किसी कारणवश कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। दोपहर 3 बजे बाद समापन कार्यक्रम में खेल मंत्री विश्वास सारंग मौजूद रहेंगे।

35 दिन बीते, शिकारियों को नहीं ढूंढ पाया वन विभाग

भोपाल में पुराने शिकारी-संदिग्धों से पूछताछ, गश्त बढ़ाई; फिर भी पहुंच से दूर

भोपाल (नप्र)। भोपाल में काले हिरण के शिकार को करीब 35 दिन बीत चुके हैं। बावजूद वन विभाग शिकारियों को ढूंढ नहीं पाया है। पुराने शिकारी-संदिग्धों से पूछताछ की गई, जबकि जंगल में गश्त भी बढ़ाई गई। फिर भी शिकारी पहुंच से दूर है। बता दें कि 23 अक्टूबर को भोपाल से 40 किलोमीटर दूर बरखेड़ा सालम में ब्लैक बक यानी काले हिरण का शव मिला था। गर्दन के नीचे शॉटगन की गोली आर-पार हो गई थी। इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ। तब से लेकर अब तक वन विभाग ने कई संदिग्धों से पूछताछ की। पुराने शिकारियों को भी तलाशा और उनका रिकॉर्ड भी खंगाला गया। ताकि, कड़ी से कड़ी जोड़कर शिकारियों तक पहुंचा जा सके, लेकिन शिकारी हत्थे नहीं चढ़ सके हैं। इस मामले में डीएफओ लोकप्रिय भारती का कहना शिकार के मामले में स्पेशल टीम जांच कर रही है। मुखबिर तंत्र भी मजबूत किया, लेकिन शिकारी पकड़ में नहीं आए हैं।

उद्योग, पर्यटन और हरित क्रांति से खत्म होगी बेरोजगारी : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

देवास में 8 करोड़ 83 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि जहाँ उद्योग, पर्यटन और हरित क्रांति होती है, वहां बेरोजगारी का कोई स्थान नहीं रहता। ये सभी विकास के नए द्वार खोलते हैं। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विस्तार के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने और पर्यटन क्रांति को साकार करने के लिए काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने देवास में उज्जैन रोड औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत 8 करोड़ 83 लाख रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। इन विकास कार्यों में सीसी रोड, आरसीसी ड्रेन, ह्यूम पाइप कल्वर्ट और रोड डामरीकरण शामिल हैं, जिनसे औद्योगिक क्षेत्र की 156 इकाइयों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नियो एक्सपर्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का उद्घाटन किया। इस कंपनी में नवजात शिशुओं के लिए मेडिकल उपकरण बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कंपनी प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी और नवाचार को प्रोत्साहित करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा 7 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 50 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाया गया है, और अगले पांच वर्षों में इसे 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। हरित क्रांति के माध्यम से प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के प्रयास हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि देवास औद्योगिक क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्तर की 1613 इकाइयां और वृहद स्तर की 28 इकाइयां कार्यरत हैं, ज़िनसे लगभग 50 हज़ार लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। यहाँ इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, फूड सेक्टर, मिल्क प्रोडक्ट्स और पंप पार्ट्स से संबंधित इकाइयां क्रियाशील हैं। कार्यक्रम में देवास विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार, सतना महापौर श्री योगेश ताम्रकर, महापौर प्रतिनिधि श्री दुर्गेश अग्रवाल और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिव्यांग यात्रियों की बेहतर सेवा हेतु भोपाल रेल मंडल संकल्पित

- **अब तक इस सत्र में 518 रेलवे दिव्यांग रियायत कार्ड किए गए जारी**
- **कैसे बनवाये रेलवे दिव्यांग रियायत कार्ड**

भोपाल (नप्र)। शारीरिक रूप से दिव्यांग यात्रियों की सुविधा और यात्रा को आसान बनाने के लिए भोपाल रेल मंडल लगातार प्रयासरत है। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के नेतृत्व में, इस वित्तीय वर्ष (अप्रैल से 25 नवम्बर 2024) के बीच कुल 518 रेलवे दिव्यांग रियायत कार्ड जारी किए गए हैं। इन रियायत कार्डों के माध्यम से दिव्यांग यात्रियों को किराए में छूट के साथ-साथ नियमानुसार परिचारक के साथ यात्रा करने की सुविधा प्रदान की जाती है।

भोपाल रेल मंडल का यह कदम सरकार द्वारा दी जा रही रियायतों का लाभ अधिक से अधिक योग्य यात्रियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। दिव्यांग रियायत कार्ड बनवाने के लिए दिव्यांग यात्रियों को जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण पत्र, एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, और रियायत प्रमाणपत्र (व्यक्ति जो बिना सहचर के यात्रा नहीं कर सकता, डॉक्टर द्वारा प्रमाणित किया गया हो) को वेबसाइट पर अपलोड करना होता है। सभी दस्तावेजों के वेरिफिकेशन के बाद कार्ड जारी किया जाता है, जिसकी सूचना प्रार्थी को मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से भेजी जाती है। आवेदक को फॉर्म भरते समय सावधानीपूर्वक सही जानकारी देनी चाहिए।

जारी किए गए रियायत कार्ड की जानकारी रेलवे के सॉफ़्टवेयर में अपडेट कर दी जाती है, जिससे टिकट बुकिंग के समय केवल रियायत कार्ड की फोटो कॉपी दिखाकर किराए में छूट का लाभ लिया जा सकता है। यह सुविधा ई-टिकट पर भी उपलब्ध है। भोपाल मंडल में रेलवे दिव्यांग रियायत कार्ड बनवाने हेतु अधिक जानकारी के लिए व्यक्ति हेल्पलाइन नंबर 9630951262 पर संपर्क कर सकते हैं।

भोपाल रेल मंडल ने यात्रियों को आश्वस्त किया है कि उनकी यात्रा को सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे लगातार कार्यरत रहेगा। दिव्यांग यात्रियों के हित में इस प्रकार के प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे।

147 उप वन क्षेत्रपालों को उच्च पद का प्रभार

भोपाल के सुगर लाल गौड को सीहोर में प्रभार, सागर की सरिता जाटव को एसटीएसएफ भेजा

भोपाल (नप्र)। वन विभाग ने 147 उप वन क्षेत्रपालों को वन क्षेत्रपाल का कार्यवाहक प्रभार दिया है। वन मुख्यालय ने मंगलवार को इसके आदेश जारी कर दिए हैं। भोपाल वन मंडल में पदस्थ डिप्टी रेंजर सुगर लाल गौड को प्रभारी रेंजर बनाकर सीहोर सामान्य वनमंडल भेजा है। वहीं सागर में पदस्थ सरिता जाटव को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स सागर में पदस्थ किया गया है।

वन मुख्यालय ने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिन डिप्टी रेंजर को क्षेत्रीय या वन्यप्राणी परिक्षेत्रों में रेंजर का प्रभार दिया गया है, उन्होंने विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की हो। वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने क्षेत्रीय अधिकारियों से कहा है कि ऐसे मामलों से तुरंत अवगत कराएं, जिनमें विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण किए बगैर डिप्टी रेंजर को रेंजर का प्रभार दे दिया गया हो। ऐसे मामलों में अलग से कार्यवाही की जाएगी।

इज्तिमा 2024- भोपाल में यातायात डायवर्सन

29 नवंबर से 2 दिसंबर तक शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, ऐसा रहेगा ट्रैफिक प्लान

भोपाल (नप्र)। 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक इज्तिमा का आयोजन ईटखेड़ी के घासीपुरा में किया जा रहा है। इसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग भोपाल पहुंचेंगे। ये लोग रेलवे स्टेशन और पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। वहीं, 2 दिसंबर को दुआ की नमाज होगी, जिसके बाद पुराने भोपाल की कई सड़कों पर भारी ट्रैफिक की आशंका रहेगी।

ऐसे में ट्रैफिक पुलिस ने शहर की सड़कों को डायवर्ट किया है। 29 नवंबर सुबह 7 बजे से सभी प्रकार के भारी वाहन, मालवाहक वाहन, रेत गिट्टी डंपर और मिक्सर का गोल जोड़ बैरसिया रोड से करौंद चौराहा तक आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा।

इन रूट्स पर भारी ट्रैफिक की संभावना- पुराने भोपाल से इज्तिमा स्थल की ओर आवागमन करने वाले मार्गों, जैसे - मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधी नगर से अयोध्या नगर बायपास, रत्नागिरी, लाम्बाखेड़ा से करोंद, भोपाल टाकीज़, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चौराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन, अल्पना तिराहा, भारत टाकीज, बोगदा पुल आदि क्षेत्रों में भारी संख्या में जनसमुदाय और वाहनों की आवाजाही के कारण यातायात दबाव रहेगा।

भोपाल शहर में आने वाली यात्री बसों का डायवर्सन

सागर, छतरपुर, दमोह, रायसेन, होशंगाबाद, जबलपुर, छिंदवाड़ा और बैतूल की ओर से आने वाली बसें 11 मील, मिसरोद, आरआरएल तिराहा, हबीबगंज नाका, सांची दुग्ध संघ होते हुए आईएसबीटी की ओर आवाजाही करेंगी। आईएसबीटी से आगे यात्री बसों का नादरा बस स्टैंड की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इंदौर से भोपाल आने वाली बसें हलालपुर बस स्टैंड का उपयोग करेंगी। इंदौर और उज्जैन की ओर से आने वाली बसें खजूरी बायपास, बैरागढ़ से हलालपुर बस स्टैंड पर अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। हलालपुर बस स्टैंड से आगे लालघाटी की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। गुना, राजगढ़ और ब्यावरा की ओर से आने वाली बसें श्यामपुर, परवलिया होते हुए मुबारकपुर बायपास से खजूरी रोड, बैरागढ़ होकर हलालपुर बस स्टैंड की ओर जा सकेंगी।

महिलाओं को सशक्त बनाने में भाजपा ने रिकॉर्ड बनाया

- **प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित**
- **क्षमतावान एवं विचारवान कार्यकर्ताओं को संगठन का नेतृत्व सौंपे-शिवप्रकाश**
- **65,015 में से 55,559 बूथ समितियों का गठन कर देश में इतिहास बनायाः विष्णुदत्त शर्मा**
- **हमारे संविधान में भारत माता के दर्शन होते हैंः डॉ. महेन्द्र सिंह**
- **संगठन पर्व की प्रक्रिया को सर्वस्पर्शी बनाएं पार्टी कार्यकर्ताः हितानंद जी**

भोपाल (नप्र)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व कार्यशाला को संबोधित किया। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश जी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि क्षमतावान, विचारवान लोगों को संगठन में लेकर आएं। परस्पर संवाद व परामर्श से मंडल व जिला संगठन पर्व का उत्सव मनाते हुए संगठन गढ़ें। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय में मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र में जिस-जिस क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वहां उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से 65,015 बूथों में से 55,559 बूथों में बूथ अध्यक्ष सहित पूरी बूथ समितियों का गठन कर देश में इतिहास बनाया। विधानसभा के उपचुनाव और महाराष्ट्र, झारखंड चुनाव में कार्यकर्ताओं के जाने से जो 10 प्रतिशत बूथ समितियां नहीं बन पाई, वहां जल्द गठन हो जाएगा। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को आगे लाने के लिए हर बूथ पर महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिला है, यह देश में एक रिकॉर्ड है। प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि भारत में जन्म लिया हैं और उससे भी भाग्यशाली हैं कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने का सुअवसर मिला है। हम सबको मिलकर एक आदर्श संगठन का निर्माण करना है। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा को सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी बनाया, उसी तरह हमें संगठन को मजबूत बनाना है। कार्यशाला में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डे, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, महाराष्ट्र के सह प्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया, प्रदेश शासन के मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, वरिष्ठ नेता श्री गोपाल भार्गव एवं डॉ. नरोत्तम मिश्रा मंचासीन रहे।

मध्यप्रदेश में संगठन का व्यापक विस्तार, इसे और सुंदर बनाना है

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश जी ने कहा कि मध्यप्रदेश में संगठन का व्यापक विस्तार हुआ है, अब उसकी सुंदरता को और बढ़ाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया है। भाजपा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मंदिर में कैद भगवान, महिलाओं ने ताला तोड़कर पूजा की

भोपाल में एक शख्स ने लगा दिया था ताला ; मंदिर पर कब्जा करने का आरोप

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एक मंदिर में भगवान 10 दिन से कैद रहे। बुधवार को महिलाओं ने पत्थरों से मंदिर का ताला तोड़ा और अंदर जाकर पूजा अर्चना की। ताला तोड़ने में मुस्लिम महिलाओं ने भी साथ दिया। महिलाओं का आरोप है कि मंदिर पर कब्जा करने की नीयत से यहां ताला लगाया गया था।

ये घटना ई/6 अरेरा कॉलोनी मीरा नगर में टेकरी की है। जहां प्राचीन मीरा मंदिर में भगवान लक्ष्मी नारायण, भोलेनाथ, हनुमान जी प्रतिमाएं स्थापित हैं। खुद को मंदिर का केयरटेकर बताने वाले उदय राज नाम के शख्स ने करीब 10 दिन पहले मंदिर में ताला जड़ दिया था। तभी से श्रद्धालु मंदिर के गेट के बाहर से ही आरती और पूजा कर रहे थे। मंदिर पर तालाबंदी का ये मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। दोनों ही पक्षों ने शिकायत की है, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

श्रद्धालु बोली- आज ताला खुला तो पूजा करने आई- श्रद्धालु कौशल्या बुनकर ने बताया कि पिछले 2 साल से मंदिर में नियमित रूप से पूजा-अर्चना करने आती हूं, लेकिन कुछ दिन से गेट पर ताला लग गया था, इसलिए सामने वाले मंदिर में पूजा कर रही थी। आज ताला खुल गया इसलिए पूजा-अर्चना करने आई हूं।

मंदिर पर कब्जे का आरोप, थाने पहुंची थी शिकायत- श्रद्धालु विकास नाथ ने बताया, पहले बुजुर्ग मीरा बाई मंदिर की देखभाल करने आती थी। उनका इसी साल फरवरी में निधन हो गया। इसके बाद उनके भतीजे उदय ने कब्जा कर लिया। यह ट्रस्ट का मंदिर है, मोहल्ले के लोग यही पर पूजा-अर्चना करने आते थे। उदय ने कब्जे के लिए मंदिर में ताला लगा दिया, इसकी थाने में शिकायत भी की थी।

पुलिस जांच के लिए पहुंची, मंदिर में कोई नहीं मिला- भगवान को ताले में बंद करने और श्रद्धालुओं के मंदिर को खोलने की जानकारी मिलने के बाद हबीबगंज थाने से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, उन्होंने जांच की। हालांकि पुलिस को उदय नहीं मिला।

तरावली ट्रस्ट से जुड़ा मंदिर

मीरा नगर स्थित यह मंदिर तरावली ट्रस्ट से संबंधित है। दसनाम श्री पंचजूनी अखाड़ा के महंत गुलाब पुरी ने बताया कि तरावली मंदिर ट्रस्ट से ही मंदिर संबंध है। कई साल से मीरा बाई मंदिर की पूरी व्यवस्था देख रही थीं। उनके स्वर्गवास के बाद मंदिर को रहवासियों को सौंप दिया। ताकि अच्छे से देखभाल हो सके। सूचना मिली कि मंदिर में कुछ लोग कब्जा जमा रहे हैं। वहीं आज महिलाओं ने गेट का ताला तोड़ दिया हैं। मंदिर में उचित व्यवस्था की जाएगी।

उदय सिंह बोला- मेरे पास ही मंदिर की देखभाल का जिम्मा

मोहल्ले वालों ने जिस उदय सिंह पर आरोप लगाया, वह भी सामने आया है। उदय सिंह ने बताया कि मेरे ऊपर जो आरोप लगाए, सभी झूठे हैं। मंदिर में प्राइवेट मीटर लगाने के बाद विवाद शुरू हुआ है। मोहल्ले के लोग चोरी की बिजली चाहते हैं। जो लोग मंदिर के पास रहते हैं, वे अवैध रूप से बिजली चला रहे थे। मोहल्ले वालों ने खुद मंदिर में ताला लगाया था, इसकी सूचना थाने में दी है।

उदय ने बताया कि मेरी बुआ मीरा बाई ने मुझे मंदिर की देखभाल के लिए रखा था। वसीयतनामा मेरे नाम किया, मेरे पास पूरे दस्तावेज भी हैं। सरकार चाहे तो मंदिर ले सकती है। मुझे कोई आपत्ति नहीं लेकिन विवाद करने वालों को मंदिर नहीं देंगे।

संपादकीय

बांग्लादेश: हिंदुओं पर अत्याचार कब रुकेंगे

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार थमने की बजाए बढ़ते ही जा रही हैं। वहां इस्लामिक कट्टरपंथियों की कठपुतली मोहम्मद युनूस सरकार ने अब इस्कॉन जैसे धार्मिक संगठन पर बैन लगाने का ऐलान किया है। इसके पहले इस्कान के चिन्मयकृष्ण दास की गिरफ्तारी की गई, जिसका भारत सरकार ने कड़ा विरोध किया है। लेकिन वहां की युनूस सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है। कृष्ण भक्तों के संगठन इस्कॉन को युनूस सरकार ने कट्टरपंथी संगठन बताया है। यह भी अपने आप में मजाक है। जो सरकार जमायते इस्लामी जैसी घोर कट्टरपंथी संगठनों के इशारे पर चल रही हो, वह इस्कॉन जैसे वैष्णव संगठन को कट्टरपंथी बताकर अपनी ही हंसी उड़वा रही है। दरअसल बांग्लादेश की नामजद सरकार देश में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ हिंदू संगठनों द्वारा लगातार उठाई जा रही आवाज और प्रदर्शनों से परेशान हैं। इस विरोध प्रदर्शन को बंदूक और लाठियों से दबाने की कोशिश की गई, लेकिन इससे हिंदुओं के हौसले को तोड़ा नहीं जा सका। इस्कॉन बांग्लादेश में हिंदुओं का अग्रणी संगठन है। हाल में हिंदुओं के आक्रोश का प्रतीक बने इस्कॉन के चिन्मयकृष्ण दास को युनूस सरकार ने देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। चिन्मय पर आरोप है कि उन्होंने 25 अक्टूबर को चटगांव के न्यू मार्केट इलाके में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। जबकि हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद के नेता राणा दासगुप्ता का कहना है कि चिन्मय कृष्ण दास पर झूठा केस दर्ज किया गया है। असल कारण यह है कि चिन्मयदास बांग्ला देश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुखरता से विरोध करते रहे हैं। चिन्मय नवगठित 'बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत' नामक संगठन के प्रवक्ता है। साथ ही इस्कॉन चटगांव के पुंडरीक धाम के अध्यक्ष भी हैं। चिन्मय की गिरफ्तारी के बाद वहां की अदालत ने उन्हें जमानत देने की जगह जेल भेज दिया। चिन्मय की गिरफ्तारी के बाद इस्कॉन पर सरकार की इतना दबाव है कि उसने चिन्मय को संगठन के पद से हटा दिया है। हालांकि इस्कॉन ने चिन्मय की गिरफ्तारी की निंदा की है। वहां के हिंदू चिन्मय की रिहाई की मांग सरकार से कर रहे हैं। यह भी सरकार को नागवार गुजर रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के जुल्म की इंतिहा ये है कि जेल में बंद चिन्मयकृष्ण दास की पैरवी के आगे एक वकील की भी कट्टरपंथियों की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। यह वकील भी मुसलमान ही था। इसका सीधा अर्थ यह है कि बांग्लादेश में अब सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद बांग्लादेश अराजक और गुंडा तत्वों के हाथों में चला गया है, जो भारत विद्वेष से पीड़ित है। और खुद बांग्लादेश की सरकार मानवाधिकारों का बेशर्मी के साथ हनन कर रही है। चिन्मय की गिरफ्ता री की गूंज भारत में भी हो रही है। विश्व हिंदू परिषद ने चिन्मय की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ़्तारी के विरोध में बांग्लादेश की सीमा सील करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि चिन्मय के समर्थन में कोलकाता में हज़ारों हिन्दू सड़कों पर उतरेंगे और पूरे इलाक़े में विरोध प्रदर्शन होगा।' यहां सवाल यह है कि देश से हिंदुओं को भगाने पर आमादा वहां की कट्टरपंथी सरकार क्या इन सब बातों को मानेगी। युनूस सरकार और वहां की सेना ने कई बार आश्वासन दिया है कि वो अल्पसंख्क्क हिंदुओं पर अत्याचार रोकेंगे। जो हकीकत सामने आ रही है, उससे साफ है कि सरकार और सेना की शह पर ही यह सब हो रहा है। भारत सरकार को इस मामले में सख्त रूख अपनाना चाहिए।

नजरिया

आरके सिन्हा
लेखक पूर्व सांसद हैं।

क्या हमें भी चलना चाहिए ऑस्ट्रेलिया के रास्ते पर?

आप अपने घर और आसपास के बच्चों को देख लें। वे फेसबुक,व्हाटसअप, इंस्टा आदि से चिपके रहते हैं। आप देश के किसी भी शहर के किसी स्टेडियम में चले जाइये। वहां पर बुजुर्ग सैर करते हुए तो मिल जाएँगे पर आपको बच्चे बहुत ही कम संख्या में खेलते हुए मिलेंगे। हालांकि आज से बीसेक साल पहले तक राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों के सारे मैदानों में बच्चे खेलते-कूदते नजर आ जाते थे। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, तालकटोरा स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम और दूसरे मैदानों में बच्चे प्रैक्टिस करते हुए खूब पसीना बहाते थे। वह अपने कोचों की देखरेख में प्रैक्टिस कर रहे होते थे। पर पिछले कुछ वर्षों से देख लें क्या हो गया है बच्चों का हाल। जब बच्चे खेलेंगे ही नहीं तो देश को ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक कहां से मिलेंगे? क्या कोई हमें पदक मुफ्त में ही दे देगा?

अगर आप अपने आसपास किसी भी उम्र के इंसान से अनौपचारिक बात कर लें, तब आपको पता चल जाएगा कि आज के समय सोशल मीडिया का लत हमारे सारे समाज को दीमक की तरह खा रहा है। इसकी गिरफ्त में नादान बच्चे खासतौर पर आ चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया सोशल मीडिया के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा लागू करने पर विचार कर रहा है। वहां पर 14 से 16 साल के बच्चों तक को सोशल मीडिया से दूर रखा जा सकता है। इसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय बिताने की बजाय खेल कूद के मैदान से जोड़ना है। क्या इस तरह का कोई कदम भारत में नहीं उठाया जाना चाहिए ? यह जानने के लिए रॉकेट साइंट पढ़ने की जरूरत नहीं है कि सोशल मीडिया ने हमारे अपने देश में बच्चों को खेलों के मैदानों और अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों तक से भी दूर कर दिया है। आप अपने घर और आसपास के बच्चों को देख लें। वे फेसबुक,व्हाटसअप, इंस्टा आदि से चिपके रहते हैं। आप देश के किसी भी शहर के किसी स्टेडियम में चले जाइये। वहां पर बुजुर्ग सैर करते हुए तो मिल जाएँगे पर आपको बच्चे बहुत ही कम संख्या में खेलते हुए मिलेंगे। हालांकि आज से बीसेक साल पहले तक राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों के सारे मैदानों में बच्चे खेलते-कूदते नजर आ जाते थे। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, तालकटोरा स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम और दूसरे मैदानों में बच्चे प्रैक्टिस करते हुए खूब पसीना बहाते थे। वह अपने कोचों की देखरेख में प्रेक्टिस कर रहे होते थे। पर पिछले कुछ वर्षों से देख लें क्या हो गया है बच्चों का हाल। जब बच्चे खेलेंगे ही नहीं तो देश को ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक कहां से मिलेंगे? क्या कोई हमें पदक मुफ्त में ही दे देगा?

चीन में भी नाबालिगों के सोशल मीडिया के उपयोग पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कानूनी रूप से रोक लगा दी गई है। यह सही है कि आज के समय में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। लेकिन, इसका अंधाधुंध इस्तेमाल, खासकर बच्चों के लिए, बहुत खतरनाक साबित हो रहा है। सोशल मीडिया से बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और अनेकों प्रकार के व्यसनों का शिकार हो रहे हैं। इसलिए, बच्चों को इन दुष्प्रभावों से बचाना हमारी अहम जिम्मेदारी हो गई है।

बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कुछ जरूरी कदम तो उठाने ही होंगे। उदाहरण के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की उम्र सीमा का पालन हो और बच्चों को उचित आयु तक इन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने से रोका जाए। बच्चों के लिए उचित आयु सीमा वाले विशेष ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना भी जरूरी है।

मैं मानता हूं कि समय आ गया है कि माता- पिता और स्कूल के अध्यापकों को बच्चों से सोशल मीडिया के बारे में नियमित रूप से खुली बातचीत करें। उन्हें इसके फायदे और नुकसान दोनों के बारे में बताया जाये। हमें बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में भी लगातार प्यार से पूछताछ करनी चाहिए। उन्हें खेलों के अलावा संगीत, नृत्य या किसी अन्य मनोरंजक गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है। नोएडा में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी अनादि बरूआ बच्चों को फुटबॉल की कोचिंग देते हैं। इसी तरह से साउथ दिल्ली में मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी और बैडमिंटन रैफरी तुलसी दुरेजा बच्चों को बैडमिंटन के गुर बताते-सिखाते हैं। अनादि बरूआ और तुलसी दुरेजा जैसे पूर्व खिलाड़ी देश के सभी छोटे-बड़े शहरों में कोचिंग दे रहे हैं। यह बहुत मामूली सी फीस लेते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वह इस तरह के नामी खिलाड़ियों के पास अपने बच्चों को ले जाएं। जाहिर है कि जब बच्चे खेलेंगे तो उनके पास सोशल मीडिया के लिए वक्त ही नहीं बचेगा।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन यह उनके कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। मैं मानता हूं कि अगर परिवार के सदस्य पहले की तरह एक साथ खाने, खेलने और बातचीत में समय व्यतीत करें तो भी सोशल मीडिया से दूरी बनाई जा सकती है। याद करें उस दौर की जब सारा परिवार घर के मुखिया के साथ सुबह-शाम को साथ बैठकर भोजन करता था। अब कितने परिवारों में भोजन सब मिल-बैठकर साथ-साथ करते हैं। अब तो परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए भोजन भी अलग- अलग तरह का पक रहा होता है। यानी घर अब होटल बन गया है। जैसे होटल के अलग - अलग कमरों में ठहरने वाले लोग रूम सर्विस से अपने पसंद का खाना मँगवाते है , वही अब घरों में भी होने लगा है! क्या पहले यह होता था? यह तो भारतीय संस्कार नहीं थे।

यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार से ही सीखते हैं। यदि आप खुद सोशल मीडिया का लगातार इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चों के लिए इसका उपयोग सीमित करना मुश्किल होगा। बच्चों के माता-पिता और अभिभावकों को चाहिये कि सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में अपने व्यवहार से एक अच्छा उदाहरण स्थापित करने का प्रयास करें। अब घर के बड़े सदस्य भी फेसबुक या इंस्टा पर अपनी फोटो डाल रहे होते हैं। उसके बाद कई उत्साही लोग तो अपने दोस्तों को फोन भी करते हैं कि उनकी पोस्ट पर लाइक या कमेंट करें। जब अभिभावक ही सोशल मीडिया को दिन-रात वक्त देने लगे हैं तो वह अपने बच्चों को इससे कैसे दूर कर सकेंगे। उन्हें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। आप अपने घर के सदस्यों पर डाइनिंग रूम या बेडरूम में सोशल मीडिया से जुड़ने पर रोक लगा सकते हैं।

आप अपने बच्चों से बात कर सकते हैं कि सोशल मीडिया को बहुत वक्त देना क्यों सही नहीं है। उन्हें साइबरबुलिंग के बारे में बताएं। अब यह भी जान लें कि साइबरबुलिंग क्या है? दरअसल साइबरबुलिंग डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से की जाने वाली बदमाशी है। यह सोशल मीडिया, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, गेमिंग प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन पर हो सकती है। इसका उद्देश्य लोगों को डराना या शर्मिंदा करना है। अब आप इसे कुछ उदाहरणों से भी समझ लें। सोशल मीडिया पर किसी के बारे में झूठ फैलाना या उसकी शर्मनाक तस्वीरें या वीडियो पोस्ट करना। मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से अपमानजनक या धमकी भरे संदेश, चित्र या वीडियो भेजना। साइबर बुलिंग के शिकार लोगों पर इसका बहुत गहरा असर पड़ता है। इसलिए माता-पिता या घर के किसी बड़े सदस्य को चाहिए कि वह सोशल मीडिया में दिन-रात बर्बाद करने वाले सदस्य को इसके खतरों से आगाह करें।

राजनीति

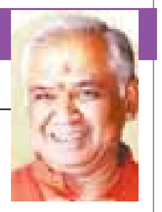

राजीव खंडेलवाल
(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

विजयपुर उपचुनाव : दलबदलुओं को सबक !

छह बार से कांग्रेस से जीतते रहे चंबल-ग्वालियर क्षेत्र के कद्दावर नेता तथा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष रामनिवास रावत की विजयपुर उपचुनाव में वन मंत्री भाजपा प्रत्याशी के रूप में हार निश्चित रूप से कई संकेतों को इंगित करती है। प्रथम, पिछले कुछ समय से राजनीति में यह प्रवृत्ति हो गई है कि राजनेता यह मानकर कर चलते हैं कि हम जब चाहे जिस पार्टी से चुनकर, फिर इस्तीफा देकर, पुनः चुनाव जीतकर विधायक बन सत्ता की मलाई खा सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए रावत की हार एक झटका है। इसी मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 के विधानसभा के चुनाव के लगभग 15 महीनों बाद लगभग 22 कांग्रेस के विधायकों ने लगभग एकसाथ विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होकर कांग्रेस की सरकार गिराई। उसके बाद हुए उपचुनावों में भाजपा की टिकट पर जीतकर भाजपा सरकार में कई मंत्री भी बन गए। उस समय भी इस्तीफा देने वाले कुछ विधायक फिर से चुनकर नहीं आ पाए थे। लेकिन 'अच्छी जीन से ही कोई घोड़ा अच्छा नहीं हो जाता है।' विजयपुर उपचुनाव की हार यह इस वृत्ति पर कुछ रोक अवश्य लगाती है द्य यह परिणाम ऐसे नेताओं को सावधान जरूर करता है कि जनता उन्हें हमेशा गले लगाएगी ही। काफी समय से हम देख रहे हैं कि किसी पार्टी से एक व्यक्ति चुनकर विधायक बनता है और सत्ता के लोभ में अपनी पार्टी से इस्तीफा देकर सत्ताधारी पार्टी में चला जाता है। और वहां से उप चुनाव लडकर फिर जीत कर आ जाता है। सिद्धांत व पार्टी निष्ठा तो एक तरह से खत्म ही हो गई है। लेकिन 'न खुदा ही मिला न विसाले सनम' वाले इस परिणाम के जरिए जनता ने इस बढ़ते हुए महारोग पर कुछ रोक जरूर लगाई है। याद कीजिए! कमलनाथ की पत्नी व सांसद अलका नाथ द्वारा दिए गए इस्तीफे के कारण हुए छिंदवाड़ा लोकसभा का वह उप चुनाव में जनता ने कमलनाथ को पटखनी दे दी थी। संदेश यही था कि आप मतदाता को अपने ऑफिस का कर्मचारी न समझें।

विजयपुर चुनाव नतीजे से मप्र विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय कृषि नरेंद्र सिंह तोमर की राजनीतिक स्थिति पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। रामनिवास रावत कांग्रेस की राजनीति में ज्योतिरादित्य सिंधिया के खासम खास हुआ करते थे, बावजूद इसके वे ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल नहीं हुए थे। तोमर ने अपने प्रभाव क्षेत्र को सिंधिया के मुकाबले बढ़ाने के लिए ही रामनिवास रावत को पार्टी में शामिल करवा कर मंत्री बनवाया और उपचुनाव लड़वाया था। शायद इसी कारण से सिंधिया रावत का चुनाव प्रचार करने नहीं गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव की दृष्टि से इस परिणाम के राजनीतिक नफा नुकसान को देखना दिलचस्प होगा। क्योंकि इन दोनों उप चुनावों के टिकट मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नहीं दिलाए थे। विजयपुर का टिकट उनके प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र सिंह तोमर व बुधनी का टिकट दूसरे प्रतिद्वंद्वी शिवराज सिंह चौहान के कोटे से आया था। इसलिए दोनो सीटों पर हार जीत से पार्टी के अंदरखाने की राजनीति में डॉ.मोहन यादव को फायदा हो सकता है। परन्तु सार्वजनिक रूप से इन नतीजों से उनकी सरकार की कार्यक्षमता पर प्रश्नचिन्ह जरूर लग सकता है। बुधनी की फीकी जीत से शिवराजसिंह चौहान की स्थिति भी कमजोर हुई है। झारखंड में भाजपा की बुरी हार से भी शिवराज सिंह पर असर पड़ेगा। क्योंकि वो झारखंड में पार्टी की तरफ से चुनाव प्रभारी थे।

विजयपुर विधानसभा की एक प्रमुख बात यह भी है कि कांग्रेस के उम्मीदवार मुकेश मल्होत्रा आरक्षित आदिवासी वर्ग से हैं, जो पिछले चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़े थे द्य जबकि भाजपा के उम्मीदवार रामनिवास रावत मीना रावत समाज से आते हैं। अनारक्षित विजयपुर से रावत की 6 बार जीत से स्पष्ट है कि इस क्षेत्र इस क्षेत्र का आदिवासी मतदाता रावत के कांग्रेस छोड़ने के बाद भी कांग्रेस के साथ बना हुआ है। यह भाजपा नेतृत्व के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। जहां तक वन मंत्री रहते रावत के चुनाव लड़ने की बात है तो यदि वन मंत्री रहे विजय शाह को छोड़ दिया जाए तो वन मंत्री के रूप में हार का सिलसिला डॉ गौरीशंकर शेजवार से लेकर रावत तक बदस्तूर है।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से हारी कांग्रेस के लिए विजयपुर उपचुनाव की जीत और बुदनी उपचुनाव की भाजपा की जीत की मार्जिन में भारी कमी कहीं न कहीं एक 'बूस्टर' का काम कर सकती है, जो वर्तमान प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व और संगठन की खस्ता हालत को देखते हुए संभव नहीं लगता। क्योंकि इस जीत में स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व की प्रमुख भागीदारी रही है न कि प्रादेशिक नेताओं की। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अगर विजयपुर की जीत को 'लोकतंत्र की रक्षा' बता रहे हैं तो फिर बुधनी में कांग्रेस की हार क्या कहलाएगी?

शक को अपनी धारणा न बनाएं

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

इंसान के मन को समझना सबसे कठिन है। वह कब किस बात पर कैसा व्यवहार करेगा, यह तो शायद वह खुद नहीं जानता। आपके अपनों के मन में कब शंका का बीज पैदा ही जाए। किस बात को लेकर वह आपसे मतभेद की जगह मनभेद कर बैठे। यह उलझा हुआ प्रश्न है। जिसका जवाब ढूंढना भी चाहे तब भी नहीं मिल पाता। जीवन में शक या वहम होने का मूल कारण मन , वचन तथा कर्म में अंतर होना होता है। अपने किसी भी रिश्ते को धैर्य से निभाते हुए यह मान लेते है कि दुनिया चाहे इधर की उधर हो जाए लेकिन आपका वह प्रिय ना तो आपसे दूर होगा और कम से कम आप पर तो कभी संशय नहीं करेगा। लेकिन ऐसा होता नहीं है। जरा सी विकट परिस्थिति में सबसे पहले आपको ही संशय के घेरे में खड़ा कर देते और कई बार इलज़ाम इतने दुखदायी होते है जिन्हें आप करना तो दूर उनके बारे में सोचना भी नहीं चाहते। लेकिन आप तब चुप हो जाते हैं, क्योंकि जितनी बार भी दूसरा व्यक्ति अपनी सफाई देना चाहता , वह उतना ही शंका के घेरे में घिरता जाता है। आसान नहीं होता शंका के बीज को पनपने से रोकना। कुछ भी कभी भी हो सकता है। बच्चों के बैग से निकली पेंसिल से लेकर घर की अलमारी की चाबियों तक कब यह शक का बीज अपना घर बना ले , कुछ कहा ही नहीं जा सकता।

प्रश्न यह है कि आखिर शक आता ही क्यों है? क्या हम कभी खुद को किसी कटघरे में खड़ा करते है, तो फिर अपनों के लिए हर पल एक कचहरी क्यों खोले रखना चाहते है? हमारे विश्वास को हमेशा किसी कसौटी की ही क्यों ज़रूरत रहती है? बिना किसी शक के क्या किसी रिश्ते को निभा नहीं सकते? क्या जब भी कुछ गलत होता है, क्या आपका अपना उसका ज़िम्मेदार है? पर कब हम ऐसा सोचते है। हम तो बिना सोचे-समझे अपने रिश्ते पर प्रश्नचिंह लगा देते है। क्या कभी ऐसा हुआ है कि परेशानी में हम अपनों के साथ होने का लाभ उठाए , नहीं हम तो उन पर उंगली उठाना शुरू कर देते है। यह भी नहीं सोचते कि कुछ पलों का शक हमारे पूरे जीवन पर भारी पड़ सकता है। किसी भी नाराजगी को प्रेम से दूर किया जा सकता है, पर शक को दूर करना नामुमकिन है। शक किसी भी रिश्ते में सेंध लगा कर उसको पहले खोखला करता है, फिर हमेशा के लिए खत्म कर देता है।

यह सिर्फ किसी और के लिए ही नहीं बल्कि खुद हमारे लिए भी घातक है। शक करने की आदत व्यक्ति को असंतोष, अस्थिरता और असफलता का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा प्रायः देखा गया है कि लम्बे समय से चलने वाले रिश्तों में शक जल्दी अपनी जगह बना लेता है। शायद इसलिए भी क्योंकि हम कितना भी लम्बा समय किसी के साथ बिता ले, लेकिन उसका विश्वास जीतना आसान नहीं होता। पर विश्वास जीतना क्यों है, यह भी तो बात है । जब हम किसी के साथ निःस्वार्थ भाव से सिर्फ उसको ही अपना जीवन मान कर बिता रहे है , क्यों हमें विश्वास दिलाना पड़ रहा है।

जब बात शक तक आ जाए तो अपनों को एक मौक़ा दिए बगैर किसी भी नतीजे तक ना पहुंचे। जो बात आपके लिए मात्र एक प्रश्न है, वह किसी के जीवन भर के समर्पण पर प्रश्नचिंह भी लगा सकती है। जब भी कुछ बोले तो पहले सोचे कि कहीं क्षणिक गुस्सा हमारे रिश्ते को खत्म ना कर दें। कोई आपके साथ तो रहे , बस आपका ना रहे । यहाँ तक कभी किसी को आने ना दें। शक को अपने भीतर से निकाल कर, सामने वाले के निस्वार्थ प्रेम को समझें। तब आपको लगेगा जो आप सोच रहे है , वह कितना गलत था।

मन में किसी भी संशय के आने के बाद सामने वाले से कोई भी प्रश्न करने से पहले बिना सोचे-समझे करने से पहले अपनी धारणा ना बनाएं। काश : मैंने ऐसा ना कहा होता ? इस बात को अपना भविष्य ना बनाएं । बल्कि ऐसा कभी नहीं हो सकता। इस बात को अपने मन में रखें और अपने रिश्ते को मजबूत बनाए, मजबूर नहीं ।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप औदिच्य
लेखक व्यंग्यकार हैं।

बचे हुए समय का अचार नहीं डलता

ये बात हमने बहुत सुनी है समय बड़ा कीमती है उसे आप बर्बाद मत करो। मेरा मानना है कि ये बात गलत है बर्बाद होने से बचे हुए समय का क्या होता है कुछ नहीं होता। न बैंक में रखा होता है न अचार बनाया जाता है।

अगर आपके पास समय है तो क्या कर लोगे बचा कर। इसलिए उसे समय रहते बर्बाद कर लेना चाहिए। लोगों के पास पैसा होता है ,बरबादी के लिए, पर समय नहीं होता..मैं कहता हू पैसा बचाओ और समय को बर्बाद करो..।

इसके लिए तो आने वाले समय में कोचिंग क्लास चलेंगी। विज्ञापन आयेंगे कि अपना समय बर्बाद करने के तरीके हमसे सीखें । आइए कैसे समय बर्बाद करे अधिक से अधिक फीस में हमसे सीखें ? समय बर्बाद करने का अपना सुख है आनंद है। ये वह लोग नहीं जानते जिनके पास समय बचा ही नहीं है। समय किसका है आपका ,उसे बर्बाद करने का अधिकार भी आपका है।

लोग कहते है हमारे पास समय ही नहीं है,झूठ कहते है,अगर ऐसा होता तो बताओ मोबाइल कंपनी के डेढ़ जीबी डेटा शाम होते होते खत्म कैसे होता? आपके पास समय ही तो था जिसने डेटा खत्म कर दिया। समय को आपने बेचा नेटवर्क कंपनियों को उन्होंने आपको डेटा नहीं बेचा। बल्कि सच ये ही है कि आपने उन्हें समय बेचा।

पहली बात तो ये है कि डेटा खत्म करते हुए समय को बर्बाद ही करना चाहिए,वरना दिक्कत ये हो जाएगी कि जो तरह तरह के रील बनाते है उनको कौन देखेगा ?

बेचारे इस चक्कर में अपनी जान तक गंवा देते है एक आप है कि देखते तक नहीं।

कम समय बर्बाद करना है तो रील देखिए और ज्यादा समय बर्बाद करना है तो रील बनाइए।

आप बताओ आपके पास मोबाइल है,उसमे डाटा भी है,,तेजी से चलने वाला 5 जी भी है,अब कंपनी को आप पैसा दे चुके है ।इस डेटा का उपयोग किसी अन्य काम में हो नहीं सकता न इसका आचार डाल सकते न रोटी बना सकते..तो क्या करे ? रील बनाइए देखिए।

समय को बचा कर रखने के कई नुकसान है ।

जैसे आपको ये पता ही नहीं चल पाएगा कि जेसीबी मिट्टी कैसे खोदती है..कल से जेसीबी के ड्राइवर ये कह कर भी मशीन चलाने से मना कर सकते है कि हम क्यों मशीन चलाएं कोई देखने वाला तो है ही नहीं..तो देश का विकास रुक जाएगा।

सड़क पर हो रहे गाली गलौज झगड़े को देखने वाले रुकना बंद हो गए तो बेचारे झगड़ने वाले मायूस हो जाएंगे।

बल्कि कई संस्थाओं को इसके लिए बकायदे से कोर्स चलाना चाहिए। दीवारों कर विज्ञापन चलाकर बताए कि कैसे समय बर्बाद करें।

डेढ़ जीबी या दो जीबी डेटा खरीद कर अगर आप ये नहीं सीखें कि पानी कैसे पीना चाहिए? तो लानत है हमारे जीवन जीने में लाखों वर्ष की प्रकिया पर। मोबाइल हमे रोटी गोल बनाना सीखी जा सकती है इसके बाद भी अब समय बचा है या मोबाइल डेटा..तो रात को गाना गाते हुए लोग देखिए नाचते हुए लोग देखिए ।

घर से निकलते हुए ये देखिए कि सब्जी वाला सब्जी कैसे बेच रहा है? उसका वीडियो बनाएं और उसे अपलोड करें। मनुष्य के काम को आसान बनाने और समय की बचत के..इतनी मशीनें है। उस मशीन का अविष्कार ही इसलिए हुआ है कि उसका समय बचे,अब समय का क्या करें ? खेती मशीन से काम होने से समय बचा है।बटन दबाने से पानी आ जाता है पैदल आने जाने से बचने के लिए मोटर है । अब मनुष्य आखिर वह बैठा बैठा क्या करेगा? फिर ले देकर सरकार की कमी निकालेगा,अफसर को गाली देगा,सड़क पर खड़े जानवर, कचरे आदि को देखेंगे।एक अच्छे वोटर को ये नहीं देखना चाहिए।उसे देखना चाहिए कि रील में कैसे नाचते है, कैसे पूजन करे, सड़क पर भागते हुए लोगों को देखे..और वीडियो बनाए।

पुण्य तिथि पर विशेष

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के पूर्व अधिकारी हैं।

ज्योतिराव फुले : सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत

भारत में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिराव फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को हुआ था। मात्र 63 वर्ष की आयु में उनका स्वर्गवास 28 नवम्बर 1890 में हो गया था। अपनी इस अल्प आयु में ही उन्होंने देश में सामाजिक क्रान्ति की ज्योति जलाई और अपने कार्यों से महात्मा की उपाधि पाई।

महामानव ज्योतिराव फुले आधुनिक भारत की सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत थे। वे पुरानी रूढ़ीगत समाज व्यवस्था के विरूद्ध बगावत करने वाले देश के पहले महापुरूष थे। वे सैकड़ों सालों से चली आ रही धार्मिक तानाशाही और अंधविश्वास को चुनौती देने वाले देश के पहले कर्मठ समाज सुधारक थे। वे सच्चे अर्थों में मानवतावादी महात्मा थे। महात्मा या महापुरूष वही होता है, जो समग्र समाज को समानता, स्वतंत्रता तथा बंधुता का लाभ दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष करता है, जो किसी से घृणा नहीं करता है और जो मानव के प्रति प्रेम और करूणा से भरकर सभी के समान अधिकारों के लिए जीवनभर लड़ता है।

महात्मा ज्योतिराव फुले ने समाज की प्रगति में बाधक कुरूतियों और रूढ़ियों को तोड़कर हिन्दू समाज को खुशहाली का मार्ग बताया। महात्मा ज्योतिराव ने विशेषकर महाराष्ट्र को धार्मिक गुलामियों से मुक्त कर दिया। वे धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आदि किसी भी क्षेत्र में गुलामी को रहने नहीं देना चाहते थे। वे जनता को रूढ़ीगत धर्मों, पंथों और सम्प्रदायों के संकीर्ण दायरे से निकालकर मानव धर्म के महासागर में ले जाना चाहते थे। उनका व्यतित्व बहुआयामी था।

महात्मा ज्योतिराव फुले ने अपने जीवन में असंख्य ऐसे कार्य किए जो अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं, किन्तु सबसे महत्वपूर्ण है बालिका और नारी शिक्षा। उन्होंने ही देश में सबसे पहले उन्होंने अछूतों के बच्चों के लिए भी शिक्षा का द्वार खोलने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। उनके द्वारा किए गए कार्यों की लंबी सूची हैं। उनके द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार हैं -

- महामानव ज्योतिराव फुले ने देश में सबसे पहले सन् 1848 में पहली कन्याशाला खोली। कन्याशाला खोलने पर समाज के लोगों ने उनका घोर विरोध किया और उन्हें कई तरह से परेशान किया। किन्तु वे अपने निर्णय से डीगे नहीं और कन्याशाला में कन्याओं को लाकर पढ़ाते रहे।
- उन्होंने सन् 1851 में अछूतों के लिए देश की पहली पाठशाला खोली। उस वक्त उनका उच्च वर्गों द्वारा घोर विरोध किया गया। इस कारण से उनका सामाजिक बहिष्कार करने की भी धोंस दी गई। किन्तु वे अढ़िग रहे और उन्होंने अछूतों को शिक्षित बनाने का कार्य जारी रखा।
- महामानव ने हिन्दू धर्म के शूद्रों और अतिशूद्रों के कष्टों, दुखों एवं यातनाओं को समाज के सामने उजागर किया। यही नहीं उन्होंने शूद्रों और अतिशूद्रों को अपने कष्टों से मुक्ति का मार्ग भी बताया। वे आजीवन इसके लिए संघर्षरत रहे।

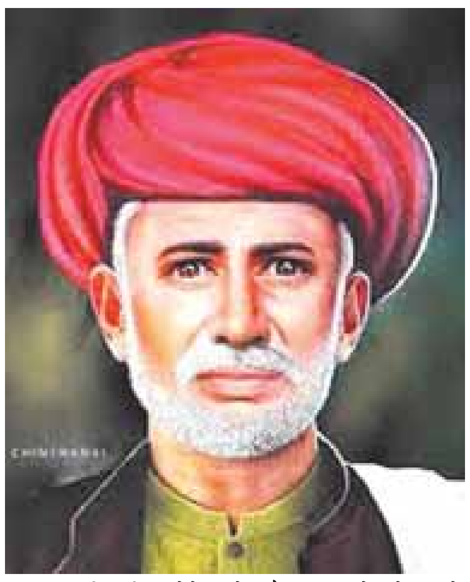

- उन्होंने अपने घर का कुँआ अछूतों के लिए खोल दिया। उस समय अछूतों और उच्च वर्ग के लोगों के कुँए अलग-अलग होते थे।
- उन्होंने विधवा विवाह का समर्थन कर सन् 1864 में विधवा विवाह सम्पन्न कराया। यही नहीं उन्होंने विधवाओं के अवैध बच्चों के पालन पोषण के लिए 1863 में बाल हत्या प्रतिबंधन गृह भी खोला। इसे उन्होंने संचालित भी किया।
- विधवाओं की गुप्त और सुरक्षित प्रसूति के लिए उन्होंने प्रसूति गृह खोला। इसके अतिरिक्त उन्होंने उस प्रसूति गृह में काशी बाई नामक विधवा के बच्चे को गोद भी लिया और उसे अपना उत्तराधिकारी बनाया।
- ब्राहमण विधवाओं के मुंडन को रोकने के लिए नाईयों को संगठित किया। उन्हें उन्होंने प्रेरित भी किया कि वे विधवाओं के मुंडन नहीं करें।
- महात्मा ज्योतिराव फुले ने बाल विवाह का घोर विरोध किया।
- धर्म के नाम पर जात-पात, ऊँच नीच, अन्याय, शोषण और विषमता को खत्म करने के उद्देश्य से सन् 1873 में सत्यशोधक समाज संस्था की स्थापना भी की।
- शादी-ब्याह में समझ में नहीं आने वाले संस्कृत के जटिल मंत्रों के बदले मराठी में सहज, सरल और सार्थक मंगल मंत्र बनाएँ और उनका प्रचार भी किया।
- रायगढ़ स्थित शिवाजी महाराज की समाधि को खोजकर उसकी मरम्मत कर उसे दर्शनीय स्थल बनाया।
- सन् 1879 में बम्बई में मिल मजदूरों का पहला संगठन बनाया और उसका मार्गदर्शन किया।
- जमींदारों के जुल्मों से पीड़ित किसानों की मदद की। उन्हीं से संबंधित एक महत्वपूर्ण ग्रन्थ किसान का कोड़ा की भी रचना की।
- किसानों की दुर्दशा की ओर ड्यूक ऑफ कनाट तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस का ध्यान दिलाया।
- महात्मा ज्योतिराव फुले ने अपने जीवन में अनेक साहित्य की रचना कर शूद्रों और अतिशूद्रों में जागृति पैदा की। उन्हें कथित उच्च वर्गों की मानसिक दासता से मुक्ति का आजीवन प्रयास भी किया।
- अपनी निरक्षर पत्नी सावित्री बाई को पढ़ा लिखाकर उसे अध्यापक बनाया। वह भारत के इतिहास में पहली भारतीय अध्यापिका बनी। देवी सावित्री बाई ने महात्मा फुले द्वारा संचालित कन्याशाला में बालिकाओं को पढ़ाया। इसके अलावा उन्होंने अछूतों की पाठशाला में उनके बच्चों को भी पढ़ा लिखा कर योग्य बनाया।

महात्मा ज्योतिराव फुले ने समाजसेवा के सभी कार्य उस समय किए, जब इनको करने की बात तो दूर, उनके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। उनकी महानता इसी बात से सिद्ध हो जाती है कि वे तत्कालीन समाज को धर्मयुग से निकालकर तर्कयुग में ले आए। वे समाज को धार्मिक पाखंड, कर्मकांड और अंधविश्वास के पारंपरिक मध्य युग से तर्क, विज्ञान और बुद्धिवाद के आधुनिक युग में ले आए। वे सही मायने में महात्मा और महामानव थे। महात्मा फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

रबर ... टूट जाएगा तो पलटवार करेगा

यह एक सामान्य बात है कि किसी मुद्दे पर खींचतान आखिरकार परस्पर संबंधों को उलझा कर रख देती है। जिसके चलते उभय पक्ष मानसिक तनाव की स्थिति में आ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि धीरे-धीरे अलग-अलग वर्ग विशेष के अलग-अलग समूह बनने लगा करते हैं। ऐसी स्थिति में गड़े मुर्दे उखाड़े जाने की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। कालांतर में ऐसी कटुता पारिवारिक रंजिश की सीमा तक जा पहुंचती है। कभी-कभी तो ऐसी कटुता पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रहा करती है। किसी समय देश के सियासी जगत में कुछ ऐसी ही स्थिति थी। जिसका दुष्परिणाम सदियों की दासता के रूप में देश ने भुगता था। इस इतिहास को हर किसी के लिए अपने जेहन में रखना जरूरी है।

हालांकि विश्व के अन्य देशों की अपेक्षा हम अपने देश को शांति का टापू कह सकते हैं। लेकिन गौतम गांधी के इस देश में भी समय-समय पर अराजकता का वातावरण व्याप्त होता रहा है। शैक्षणिक जागृति हुई है, लेकिन धार्मिक कट्टरता के चलते वर्ग विशेष में परस्पर सद्भाव का वातावरण धुंधला दिखाई देता है। हमने आर्थिक प्रगति की, लेकिन आज भी अधिकांश आबादी मुफ्त अनाज पर निर्भर क्यों है ? अमीरों की बढ़ती अमीरी और गरीबों की बढ़ती गरीबी के चलते समानता का नारा खोखला दिखाई देता है। दरअसल आजादी के बाद हम तमाम तरह के अनावश्यक विवादों के तोते पालने में लगे रहे। व्यक्तिगत अहम और सामाजिक ठसक ने हमारी प्रगति की रफ्तार को धीमा कर दिया। हम जहां हैं, उससे बहुत आगे भी जा सकते थे।

इन तमाम सन्दर्भों में यदि हम अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक रूप से अपने आचरण और व्यवहार पर गौर करें, तो अपने जेहन में अपने आचार, विचार और व्यवहार की समीक्षा कर सकते हैं। आमतौर पर ऐसा होता है कि कहीं किसी मुद्दे पर वैचारिक असहमति के दौर में कहीं कोई बात तूल पकड़ लेती है। इसके चलते इधर वाले भी लामबंद होते हैं और उधर वाले भी लामबंद हुआ करते हैं। समान समझ की स्थिति नहीं बन पाती। ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत अहम के चलते परस्पर टकराव का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। परिणाम यह निकलता है कि एक प्रकार से खींचतान की स्थिति निर्मित हो जाती है। उभय पक्ष किसी एक निश्चित बिंदु पर एकमत नहीं हो पाते।

बात चाहे सियासी जगत की हो, सामाजिक हो या फिर व्यक्तिगत ही क्यों न हो, यह गणित हर जगह काम करता है कि किसी भी मामलेझ्र को जरूरत से ज्यादा खींचे जाने पर अंततः नकारात्मक परिणाम ही सामने आया करता है। वर्तमान दौर में सियासी जगत की परस्पर खींचतान राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में बाधा उत्पन्न कर रही है। नीतिगत एवं सैद्धांतिक मतभेद मनमुटाव की कगार पर आते जा रहे हैं। विभिन्न वर्गों के अंतर्मन में असुरक्षा की भावना सामाजिक संबंधों को दांव पर लगा रही है। जाति, वर्ग एवं संप्रदायों की सामाजिक सद्भावना कहीं कहीं दुर्भावना के रूप में प्रकट हो रही है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे हमारी अनेकता में एकता को कहीं किसी की नजर लग गई है।

कुल मिलाकर किसी भी मामले को अधिक समय तक लंबित रखना ठीक नहीं। बेहतर हो किसी भी स्तर की कहीं कोई असहमतियां है, तो उसका तुरंत निराकरण कर दिया जाना चाहिए। किसी भी मामले को उलझा कर रखने से मामला तो सुलझता नहीं, और उस पर नित नई उलझने सामने आने लगती है। यदि हम भावी पीढ़ी को सशक्त राष्ट्र, सक्षम एवं आत्मनिर्भर समाज, और अपने समृद्ध व्यक्तिगत संबंधों की विरासत को सौंपना चाहते हैं, तो हमें इन संबंधों को और अधिक अपनत्व के साथ कुछ इस कदर ढालना पड़ेगा कि भावी पीढ़ी अपने राष्ट्र, समाज एवं परिजनों पर गर्व कर सके। अनावश्यक रूप से भावी पीढ़ी के समक्ष नाना प्रकार की चुनौतियां छोड़ जाना, अपने बाद अपना ही सम्मान खोने के समान है।

आस्था

परविंदर शर्मा

अध्यक्ष श्री परशुराम पीठ पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, पटियाला

प्रयागराज का महाकुंभ मेले में मनोकामना पूरण

सनातन धर्म विश्व में अपनी आस्था के लिये जाना जाता है। हम कह सकते है कि इस देश के लोगों की आस्था के कारण ही भारत आज पूरी दुनिया में अपनी ताकतके लिये जाना जाता है। इसी आस्था का एक संगम है महाकुंभ। प्रयागराज का महाकुंभ मेला, जो भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं का एक अभिन्न हिस्सा है, हर 12 साल में एक बार आयोजित होता है। यह मेला भारत और दुनिया भर से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है, जो अपनी आत्मिक शुद्धि, पुण्यप्राप्ति और जीवन में सुख, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए इस पवित्र आयोजन में शामिल होते हैं। इस आयोजन में विशेष रूप से 'मनोकामना पूरण' का एक बड़ा महत्व होता है, जिसे श्रद्धालु अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं औरआस्थाओं के लिए करते हैं।

महाकुंभ का अर्थ है महा का अर्थ है विशाला और कुम्भ का शाब्दिक अर्थ है कलश। देवासुर संग्राम के बाद देव और दानव समुद्रमंथन को राजी हुए। मंथन से चौदह रत्नों की प्राप्ति हुई जिन्हें परस्पर बांट लिया गया परंतुअमृत कलश को लेकर विवाद हो गया। तब भगवान विष्णु ने स्वयं मोहिनी रूप धारण कर सबको अमृत-पान कराने की बात कही और अमृत कलश का दायित्व इंद्र-पुत्र जयंत को सौंपा। जबजयंत दानवों से अमृत की रक्षा करने के लिए भाग रहे थे, तभी अमृत की बूंदे पृथ्वी पर चार स्थानों पर गिरीं। हरिद्वार, नासिक, उज्जैन और प्रयागराज।चूंकि विष्णु भगवान की आज्ञा से सूर्य, चंद्र, शनि एवं बृहस्पति भीअमृत कलश की रक्षा कर रहे थे और विभिन्न राशियों (सिंह, कुम्भ एवं मेष) में विचरण के कारण ये सभी कुंभ पर्व के द्योतक बन गये। जयंत को अमृत कलश को स्वर्ग लेजाने में 12 दिन लगा। देवताओं का एक दिन पृथ्वी के एक वर्ष के बराबर माना गया है। इसी से वर्णित स्थानों पर ही 12 वर्षों में कुंभ मेले का आयोजन होता है। महाकुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं है, बल्कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक घटना है, जो भारत की सनातन संस्कृति की गहरी जड़ों को भी प्रकट करता है।

यह मेला हर बार प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित होता है, जहाँ तीन प्रमुख नदियाँ - गंगा, यमुन और सरस्वती का संगम होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहाँ स्नान करने से न केवल पापों का नाश होताहै, बल्कि आत्मा को भी शांति और मुक्ति प्राप्त होती है। 'मनोकामनापूरण' का तात्पर्य है किसी व्यक्ति की इच्छाओं का पूर्ण होना, विशेषरूप से तब जब व्यक्ति अपनी किसी इच्छा या उद्देश्य के लिए भगवान से प्रार्थना करता है। महाकुंभ मेला एक ऐसा स्थल है,जहाँ श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूजा-अर्चना और तपस्या करते हैं। यह अवसर उन्हें अपने जीवन की समस्याओं, कष्टों और परेशानियों से मुक्ति पाने की उम्मीद दिलाता है। कुंभ मेला केवल भक्ति और साधना का स्थान नहीं है, बल्कि यह विश्वास का भी प्रतीक है, जहाँ लोग अपनी आस्था के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। प्रयागराज के महाकुंभ मेले में मनोकामना पूरण का एक विशेष स्थान है। यहां लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करने के बाद अपने जीवन के कष्टों को समाप्त करने और अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। यह अवसर उन्हें मानसिक शांति, आत्मिक उन्नति और दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने का विश्वास दिलाता है। महाकुंभ मेला केवल भौतिक इच्छाओं की पूर्ति का स्थान नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक उन्नति और आत्म-ज्ञानप्राप्ति का एक बड़ा अवसर है।

मनोकामना पूरण का आध्यात्मिक दृष्टिकोण यह है कि, जब व्यक्ति अपने हृदय को शुद्ध करता है और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान से प्रार्थना करता है, तो उसकी इच्छाएँ पूरी होती हैं। यह विश्वास है कि जो व्यक्ति संगममें स्नान करके सही आस्था और शुद्धता से भगवान से प्रार्थना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएँ पूरी होती हैं। हम यह भी कह सकते है कि यह कुम्ब मेला एक मेला हीनहीं बल्कि जनमानस की आस्था के साथ साथ समरसता का भी भाव पैदा करता है यह पर कोई किसी से नहीं पूछने वाला किस प्रदेश जाति के हैं। समूचे भारत का रीति रिवाज खान पान रहन सहन वेशभूषा इस महाकुंभ में घुलकर भारतीय संस्कृति का दर्शन पेश कर रही है संगम का अर्थ केवल नदियों का संगम ही नहीं यह विविध संस्कृतियों का समागम, संस्कारों का समागम, विभिन्न आश्रमों का समागम, धर्म अर्थ मोक्ष का समागम देश और विदेश का समागम है। हम सब को जनवरी में शुरु होने वाले और फरवरी मास तक चलने वाले यह महाकुम्ब के मेले पर जाकर भारती संस्कृति और देश की आस्था का जगाना चहिये। क्योंकि महाकुंभ मेला नकेवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह मेले में आने वाले हर व्यक्ति की मनोकामनाओं की पूर्ति की संभावना होती है और यह एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है।

धन्यवाद दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

कृतज्ञता-संस्कृति से संवरती है जिंदगी

हर साल नवंबर के चौथे गुरुवार को अमेरिका समेत कई देशों में थैंक्सगिविंग डे यानी धन्यवाद दिवस, कृतज्ञता दिवस मनाया जाता है। थैंक्सगिविंग आधिकारिक तौर पर छुट्टियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक होता है, जिसे जर्मनी, ब्राजील, कनाडा, जापान और अन्य देशों में भी मनाया जाता है। अमेरिका में इस दिन को क्रिसमस की ही तरह धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे का शुक्रिया अदा करते हुए आने वाले साल के लिए सुखद, स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल होने की दुआ करते हैं। यह दिन उत्तरी अमेरिका का एक पारंपरिक त्योहार है, जो एक तरह का फसल पर्व है। अधिकांश धर्मों में फसल कटने के बाद धन्यवाद की प्रार्थना और विशेष धन्यवाद समारोह आम बात है। इस दिन को मनाने का मकसद किसी अपने या अनजान व्यक्ति द्वारा की गई किसी भी तरह की मदद या सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करना है। इस दिन आप खास अंदाज में उन्हें शुक्रिया कह सकते हैं। आमतौर पर लोग इस दिन को अपने परिवार और दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करते हुए अपने घरों में पारंपरिक भोजन का एक साथ आनंद लेते हैं। थैंक्सगिविंग डे को मनाने की शुरुआत पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रूसवेल्ट द्वारा साल 1939 में की गई थी, जिसे बाद में साल 1941 में अमेरिकी कांग्रेस ने मान्यता दी थी।

कृतज्ञता जरूरी है। सभी धर्मों में कृतज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कृतज्ञता धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करती है। सिसरो से लेकर बुद्ध तक और अन्य कई दार्शनिक व आध्यात्मिक शिक्षकों ने भी कृतज्ञता को भरपूर बांटा है और उससे प्राप्त खुशी को उत्सव की तरह मनाया है। दुनिया के सभी बड़े धर्म हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध मानते हैं कि किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एक भावनात्मक व्यवहार है और अंत में इसका अच्छा प्रतिफल प्राप्त होता है। बड़े-बड़े पादरी और पंडितों ने इस विषय को लेकर बहुत-सा ज्ञान बांटा है, लेकिन आज तक इन विद्वानों ने इसे विज्ञान का रूप नहीं दिया है। जबकि कृतज्ञता, धन्यवाद एवं शुक्रिया का बड़ा वैज्ञानिक महत्व भी है।

परोपकार एवं उपकार के प्रति आभार व्यक्त करना, कृतज्ञता एवं धन्यवाद ज्ञापित करना मानवीय मूल्य है। भले ही कृतज्ञता के पास शब्द नहीं होते, किन्तु साथ ही कृतज्ञता इतनी कृतघ्न भी नहीं होती कि बिना कुछ कहे ही रहा जाए। यदि कुछ भी न कहा जाए तो शायद हर भाव अव्यक्त ही रह जाए, इसीलिए 'आभार' मात्र औपचारिकता होते हुए भी कहीं गहराई में एक प्रयास भी है अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का, अपने को सुखी और प्रसन्न बनाने का। किसी के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। फिर वह कड़कती ठंड में किसी गरीब को एक प्याली चाय देना ही क्यों न हो और उसके मन में 'जो मिला बहुत मिला-शुक्रिया' के भाव हों तो जिंदगी बड़े सुकून से जी जा सकती है, काटनी नहीं पड़ती।

अमेरिकी लोग दुनियाभर में कई रोजमर्रा की स्थितियों में 'धन्यवाद' कहने के लिए जाने जाते हैं । हालाँकि इनमें से कुछ 'धन्यवाद' निस्संदेह दिल से कहे जाते हैं, लेकिन कई नियमित भी होते हैं और बिना किसी भावना के कहे जाते हैं। यह देखते हुए कि अमेरिकी कितनी बार 'धन्यवाद' कहते हैं, यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुनिया भर की कई अन्य संस्कृतियों में, लोग शायद ही कभी 'धन्यवाद' कहते हैं। भारतीय संस्कृति में कृतज्ञता को बहुत बड़ा गुण माना जाता है। भारतीय संस्कृति में बड़ों और गुरुओं का सम्मान करने पर ज़ोर दिया जाता है। महाभारत में कहा गया है कि उपकार को न याद रखने वाले कृतघ्न व्यक्ति का उद्धार नहीं होता। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, खुशी को अपनाना चाहिए क्योंकि खुशी और कृतज्ञता एक-दूसरे को बढ़ाते और मज़बूत करते हैं। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए ध्यान, सकारात्मक चिंतन और कृतज्ञता के अभ्यास को अपनाने की बात कही गयी है। इस भावना को बढ़ाने के लिए रिश्तों, अनुभवों और जुड़ाव के क्षणों को महत्व देना चाहिए। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, अपने कार्यों, विचारों एवं व्यवहारों का प्रभाव दूसरों पर भी पड़ता है, इस बात को समझने की अपेक्षा है।

हर व्यक्ति जितना अपने दुःखों से पीड़ित नहीं है, उससे ज्यादा वह दूसरों के सुखों से पीड़ित है। इसीलिये वह दुखी होता जारहा है। उसकी संकीर्ण मानसिकता एवं छोटी सोच का ही परिणाम है कि वह दुखों का सृजन करता है। इसके बावजूद वह सोचता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ या फिर दुनिया के सारे दर्द मेरे लिए ही क्यों बने हैं, जबकि अगर सोचा जाए तो महत्वपूर्ण यह नहीं होता कि आपके पास पीड़ाएं कितनी हैं, जरूरी यह होता है कि आप उस दर्द के साथ किस तरह खुश रह जाते हैं। इसलिए जो कुछ भी बचा है, उसे गले लगाएं बजाए कि खोए हुए का गम मनाने के। जब हमारी दिशाएं सकारात्मक होती है जो हम सृजनात्मक रच ही लेते हैं। हमें कृतज्ञ तो होना ही होगा, क्योंकि इसके बिना छोटी-छोटी तकलीफे भी पहाड़ जितनी बड़ी बन जाती है। एक जिंदगी जीता है, दूसरा उसे ढोता है। एक दुःख में भी सुख ढूंढ लाता है, दूसरा प्राप्त सुख को भी दुःख मान बैठता है। एक अतीत भविष्य से बंधकर भी वर्तमान को निर्माण की बुनियाद बनाता है, तो दूसरा अतीत और भविष्य में खोया रहकर वर्तमान को भी गंवा देता है। इसी सोच ने पश्चिमी देशों में धन्यवाद दिवस को बड़ी व्यापकता दी है।

महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा भी है कि यह बड़ी विचित्र बात है कि सद्गुण आदमी प्रयत्न करने पर भी जल्दी नहीं सीख पाता और दुर्गुण बिना किसी प्रयत्न के ही सीख लेता है, वैसे ही अच्छे बोल और मृदुभाषिता आदमी प्रयास करने पर भी जल्दी से नहीं सीख पाता और गाली तथा अपशब्द बिना प्रयास के ही सीख लेता है। इस प्रवृत्ति को बदलकर ही सुख पाने के प्रयत्न सफल हो सकते हैं। सोच को बदलना होगा, जिस संकीर्ण एवं विकृत सोच के साथ रहने से मन और भावों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा हो, वृत्तियां कलुषित और उच्छृंखल हो रही हों, जीवनशैली में विकृति आ रही हो, उनका साथ छोड़ देना ही हितकर है। वाल्मीकि ने रामायण में भी इस बात का उल्लेख किया है कि परमात्मा ने जो कुछ तुमको दिया है, उसके लिए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करो। हालांकि इसका विज्ञान बस इस छोटे से वाक्य में समाहित है कि जितना आप देंगे, उससे कहीं अधिक यह आपके पास लौटकर आएगा, लेकिन इसे समझ पाना हर किसी के वश की बात नहीं है। 'कितना दें और क्यों' इस बात में बिल क्लिंटन ने देने का गणित बेहतर ढंग से समझाया है।

औरों में दोष देखने की छिद्रान्वेषी मनोवृत्ति कृतज्ञता-संस्कृति की बड़ी बाधा है। लोग हमेशा इस ताक में रहते हैं कि कौन, कहां, किसने, कैसी गलती की। औरों को जल्द बताने की बेताबी उनमें देखी गई है, क्योंकि उनका अपना मानना है कि इस पहल में भरोसेमंद इंसान की पहचान यूं ही बनती है। यह भ्रामक सोच अनेक समस्याओं की जनक है। वास्तविकता यही है कि सुख प्राप्ति के लिए आदमी दुख के उत्पादन का कारखाना चला रहा है। अपने मिथ्या दृष्टिकोण के कारण वह दुख को जेनरेट कर रहा है। सुख को पाने की चाह है तो दृष्टिकोण को सम्यक बनाकर सुख प्राप्ति के अनुरूप कार्य करना होगा। हमारे पास दो रास्ते हैं या तो हम दीप हो जाएं, जो उसे दुगुना कर देता है, लेकिन इसके लिये कुछ सार्थक करना होता। धन से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से प्रेरित होकर। क्योंकि बड़े-बड़े धन के अम्बार और महंगे साज-ओ-सामान के बजाय सार्थक संकल्प एवं कृतज्ञता का भाव जीवन को अधिक सुख देते हैं, प्रसन्न बनाते हैं।

मजदूरों के विरोध के कारण ट्रायल के बाद से खड़ी हैं 6 मशीनें

लोडिंग-अनलोडिंग की योजना फेल, मशीनें खा रही धूल

बैतूल। दो साल पहले बैतूल स्टेशन पर वैगनों से गुड्स (सामान) की लोडिंग-अनलोडिंग मशीन से कराये जाने का निर्णय लिया था। इसका ठेका जनक एंटरप्राइजेज भोपाल को दिया था। ठेकेदार ने लोडिंग-अनलोडिंग के लिए मशीनें भी लाई, लेकिन यह मशीने पिछले एक साल से माल गोदाम परिसर में धूल खा रही है। इन मशीनों से सिर्फ एक बार ट्रायल लिया गया, इसके बाद से यह मशीने माल गोदाम परिसर में पड़ी धूल खा रही है। दरअसल रेलवे माल गोदाम में लोडिंग- अनलोडिंग का काम चलता है। इस कार्य को मजदूरों के जरिये कराया जाता था, जिससे मालगाड़ी खाली करने में अधिक समय और मजदूर लगते थे। मालगाड़ी की लोडिंग-अनलोडिंग समय पर नहीं होने से रैक लेट रवाना होती थी और रेलवे को लाखों का नुकसान उठाना पड़ता था। इन्हीं कारणों को दृष्टिगत रखते हुए लगभग दो साल पहले रेलवे ने लोडिंग-अनलोडिंग कार्य मशीनों से कराये जाने का निर्णय लिया था। ठेका होने पर ठेकेदार ने 6 मशीने भी लाई थी जिसका उपयोग ही नहीं हो सका। अब यह मशीने माल गोदाम के पास खड़े-खड़े धूल खा रही है। इस संबंध में नागपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम अमन मित्तल के मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

समय की बचत, हम्मालों की कमी से बचने लिया था निर्णय - माल गोदाम में रैक लोडिंग-अनलोडिंग करने में समय की बचत और हम्मालों की कमी से बचने रेलवे ने लोडिंग-अनलोडिंग का ठेका दिया था। ठेकेदार ने 6 मशीनें लाई थी। कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से चलने वाली इन मशीनों से बोरे-बोरी सीधे ट्रक में और ट्रक से सीधे वैगन में पहुंच जाते थे। मशीनों के आने से हम्मालों की कमी का स्थायी समाधान हो गया था। दर्जन भर हम्मालों का काम सिर्फ 4 हम्माल से हो जाता। मशीन से वैगन लोडिंग-अनलोडिंग होने से समय की भी बचत होती, लेकिन मशीनों का सिर्फ एक बार ट्रायल किया गया। इसके बाद से मशीने खड़ी है।

मशीने 9 घंटे में खाली कर सकती थी 42 वैगन - जानकार बताते है कि मशीनों के एक कन्वेयर बेल्ट से एक वैगन को 45 मिनट से एक घंटे के अंदर खाली किया जा सकता है। इस हिसाब से 42 वैगन को कुछ समय में ही खाली कर रवाना किया जा सकता था, जबकि बिना मशीनों के इसी कार्य को करने के लिए चार गुना समय लगता है। जिससे रेलवे को समय और राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता है। रेलवे सूत्रों की माने तो मशीनों के संचालन से मालगाड़ी की रैक जल्दी-जल्दी खाली की जा सकती थी। जिससे रैक समय पर रवाना होती और रेलवे को दुगुना व्यापार मिल सकता था और मजदूरों को भी भारी लोडिंग-अनलोडिंग से राहत मिलकर जल्दी-जल्दी खाली करने का काम भी मिलता।

इसलिए मजदूरों ने दर्ज कराया था विरोध - मशीनों के उपयोग को लेकर मजदूरों ने विरोध दर्ज कराया था, इसके पीछे कारण यह था कि मशीनों के जरिए यदि वैगन खाली होती है तो कम मजदूर ही लगते। जिससे मजदूरों के सामने काम और आर्थिक संकट खड़ा हो जाता। इसी कारण हम्मालों ने मशीनों से लोडिंग-अनलोडिंग का विरोध किया था। मजदूरों ने सांसद एवं वर्तमान केन्द्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके से मुलाकात कर विरोध दर्ज कराया। सांसद ने मजदूरों की समस्या को प्राथमिकता देते हुए रेलवे अधिकारियों से चर्चा की थी। जिसके बाद कुछ व्यापारी एवं मुकदम ने भी अपना विरोध दर्ज कराया था।जिससे इन मशीनों का खड़ा करवा दिया गया।

उपयोग नहीं हुई मशीनें, नहीं तो बढ़ता व्यापार

इन मशीनों का अभी तक उपयोग नहीं हुआ है। रेलवे माल गोदाम बैतूल में अभी भी लोडिंग-अनलोडिंग मजदूरों हम्मालों के द्वारा किया जा रहा है। इससे मजदूरों के जान का जोखिम भी बना रहता है। लेकिन मजदूरों के विरोध के कारण मशीनों का उपयोग नहीं हो पाया। जानकार कहते है कि यदि मशीनों का उपयोग होता तो बैतूल का व्यापार में तेजी आती। सामान समय पर पहुंच जाता, अभी सीमेंट, खाद सहित अन्य सामान की रैक आने पर मजदूर रैक खाली करते है। इस कार्य में समय लगता है। कई बार मजदूरों की कमी के कारण व्यापारियों का माल गोदाम एवं प्लेटफार्म में ही पड़ा रहता है और व्यापारियों को अतिरिक्त किराया चुकाना पड़ता है, वहीं प्लेटफार्म पर माल पड़ा होने से यात्रियों को भी आने-जाने में दिक्कत होती है।

इनका कहना -

मुझे इस संबंध में कुछ भी जानकारी नहीं है। मैं जानकारी लेकर ही कुछ बता पाऊंगा कि लोडिंग-अनलोडिग् का ठेका हुआ था या नही। और मशीने आई थी तो फिर संचालन क्यों नहीं हो रहा है।

- अमोल गेहूंकर, पीआरओ, रेलवे मंडल नागपुर

मशीन से 9 घंटे में एक रैक (58 वैगन) खाली किया जा सकता था। वहीं रैक अभी हम्मालों के जरिए खाली कराई जा रही है तो उसमें करीब 24 से 48 घंटे लगता है। जिससे रेलवे को भारी नुकसान हो रहा है। हालांकि यह रेलवे अधिकारियों को निर्णय लेना है, हम इसमें क्या कर सकते है।

- आकाश खेरा, जनक एंटरप्राइजेज, भोपाल

दहेज प्रताड़ना केस में डॉ. खातरकर को मिली राहत, अदालत ने किया बरी

एसआईएफ ने कहा सच्चाई की हुई जीत, पुरुषों के लिए कानूनी जागरूकता अभियान का असर

बैतूल। आरक्षी गृह बैतूलबाजार ने डॉ. योगेश खातरकर और उनके परिवार के तीन अन्य सदस्यों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया था, जिसे प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी बैतूल ने खारिज करते हुए सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। मामला 2018 का था, जब प्रकरण क्र.145/2018 में योगेश खातरकर और उनके परिवार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरोप यह था कि योगेश की पत्नी को शादी के बाद से ही 5 लाख रुपये और एक कार के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया गया। अभियोजन ने इस मामले में पीड़िता और उसके रिश्तेदारों के बयान न्यायालय में प्रस्तुत किए, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य की कमी के चलते न्यायालय ने आरोपों को निराधार पाया और सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। इस फैसले को सेव इंडियन फैमिली (एसआईएफ) बैतूल ने न्याय की जीत बताया। संगठन ने कहा कि यह निर्णय झूठे दहेज मामलों से पीड़ित पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण है। एसआईएफ के संचालक ने कहा कि झूठे दहेज मामलों का सामना करना पुरुषों और उनके परिवारों के लिए बेहद कठिन होता है। सच्चाई के लिए सही दिशा में किए गए प्रयास हमेशा रंग लाते हैं। उन्होंने झूठे मामलों में कानूनी सहायता के लिए संगठन की हेल्पलाइन नंबर 8882498498 का उल्लेख करते हुए पीड़ितों को न्याय की राह में मदद का भरोसा दिलाया।

उल्लेखनीय है अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस के अवसर पर एसआईएफ बैतूल ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य, झूठे मामलों से बचाव और कानूनी सहायता की आवश्यकता पर चर्चा की गई थी। कार्यक्रम में पुरुषों को झूठे आरोपों से लड़ने के लिए मानसिक सहारे और कानूनी जानकारी का महत्व भी बताया गया था।

कुनबी समाज अध्यक्ष दिनेश मस्की की माताजी का निधन

बैतूल। क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश मस्की,राजेश मस्की, उमेश मस्की एवं लक्ष्मीकांत मस्की की माताजी तथा महादेव मस्की की पत्नी श्रीमती सुशीला बाई (76) का बुधवार दोपहर करीब 1.15 बजे निधन हो गया। उनकी गुरुवार सुबह दस बजे निज निवास मानस नगर बैतूल से मोक्षधाम गंज के लिए अंतिम यात्रा निकलेगी। सुशीला बाई मस्की के निधन पर जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

चंद्रकला लश्करे का निधन, उठावना आज

बैतूल। डॉ. धरमचंद लश्करे की धर्मपत्नी एवं डॉ. मनीष एवं ममता जैन की माताजी श्रीमती चंद्रकला लश्करे का आकस्मिक निधन हो गया था, जिनका उठावना एवं पगड़ी रस्म कार्यक्रम 28 नवंबर को सुबह 11 बजे रामकृष्ण बगिया में रखा गया है। शोकाकुल परिवार डॉ. धरमचंद लश्करे, डॉ. मनीष लश्करे, डॉ. अजय जैन ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

अपर कलेक्टर ने भूतपूर्व सैनिकों के 9 लंबित प्रकरणों का किया निराकरण

बैतूल। अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड बैतूल की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने भूतपूर्व सैनिकों के लंबित 9 प्रकरणों का संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समाधान किया। इसके अलावा कारगिल

चौक के सौंदर्यीकरण के विषय में नगर पालिका अधिकारी द्वारा उचित आश्वासन दिया गया। बैठक में पिछले एक साल में किए गए कल्याण कार्यों की जानकारी भी दी गई। बैठक के दौरान अधिकारी, कर्मचारियों एवं पूर्व सैनिकों तथा नागरिकों ने बाल विवाह न होने देने की शपथ भी ली। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, नगर पालिका अधिकारी सतीश मतसेनिया, प्रतिनिधि जिला शिक्षा अधिकारी, प्रतिनिधि पुलिस अधीक्षक, सब इंस्पेक्टर राधेश्याम पंवार, जिला सैनिक बोर्ड के समस्त पदेन सदस्य, कार्यालय के कर्मचारी एवं करीब 80 पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

आयुष विभाग ने शुरू किया प्रकृति परीक्षण अभियान

बैतूल। आयुष विभाग अगले एक महीने तक पूरे जिले में प्रकृति परीक्षण अभियान चलाएगा। इस अभियान की बुधवार से शुरुआत की गई, जो 25 दिसंबर तक चलेगा। अभियान में जिले भर में 18 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का परीक्षण किया जाएगा। इस प्रक्रिया में विशेषज्ञों द्वारा लोगों की प्रकृति (वात, पित्त, कफ) का आकलन कर स्वास्थ्य संबंधी सुझाव दिए। आयुष अधिकारी डॉ.योगेश चौकीकर ने बताया कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनकी प्रकृति का परीक्षण करना और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करना है। डॉ. तरुलता आठनेरे ने बताया कि आयुर्वेद में प्रकृति परीक्षण का महत्व बहुत अधिक है।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल से 13 छात्राओं का दल जॉब के लिए हुआ रवाना

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में 15 अक्टूबर 2024 को आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेले में चयनित छात्राओं में से 13 छात्राओं का दल विस्ट्रान कम्पनी बैंगलोर के लिये बुधवार को रवाना हुआ। संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि पहले छात्राओं में होमसिकनेस की समस्या थी, जिसके कारण छात्राओं में अन्यत्र जाने में झिझक थी, परन्तु विगत सितम्बर माह में 41 छात्राएं विस्ट्रान कम्पनी बैंगलोर, 17 छात्र-छात्राएं कान्हा वनम् (फारेस्ट बाई हार्टफुलनेस) हैदराबाद में जॉब के लिये गये है। इससे सकारात्मक माहौल बना है और छात्राएं सहजता से जॉब के लिए बाहर जाने लगी है। प्लेसमेंट अधिकारी श्री विवेक दायमा ने बताया कि पूर्व में संस्था से फॉक्सकॉन लिमिटेड बैंगलोर एवं प्रथम फाउंडेशन भोपाल गई छात्राएं सफलतापूर्वक जॉब में संलग्न है। इसी कड़ी में 29 नवम्बर 2024 को आयशर वाल्वो कम्पनी का एप्रेन्टिस ड्राइव का आयोजन संस्था में किया जाएगा, जिसमें जिले की सभी शासकीय एवं प्राइवेट आईटीआई के इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, टर्नर ट्रेड के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनी आयशर वोल्वो में अप्रेंटिस में जाने का सुअवसर है।

बैतूल में वकील का शव फांसी पर मिला लटका

3 साल पहले भाई ने भी की थी आत्महत्या, पुलिस कर रही मामले की जांच

बैतूल। भाजपा नेता और अधिवक्ता दिलीप यादव का शव बुधवार सुबह फांसी पर लटका मिला। मृतक लंबे समय से बीमारी से परेशान थे। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें मृतक दिलीप ने बीमारी की वजह से आत्महत्या का जिक्र किया। टीआई रविकांत डहरिया ने बताया कि सदर इलाके में रहने वाले दिलीप यादव (38) का शव बुधवार को उनके घर में फांसी पर लटका हुआ मिला। परिजनों ने शव को फांसी पर लटका हुआ देखा और तुरंत पड़ोसियों व पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को उतरवाकर

पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक दिलीप सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित थे। इसी वजह से वे अक्सर परेशान रहते थे। उन्हें बार-बार ब्लड भी चढ़ाना पड़ता था। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें विधि प्रकोष्ठ का जिला संयोजक नियुक्त किया था।

3 साल पहले भाई ने भी की थी आत्महत्या - मृतक दिलीप के भाई लेखचंद यादव ने भी 3 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। वे भी समाज सेवा राजनीति और वकालत करते थे। उनकी आत्महत्या की वजह आज तक सामने नहीं आ सकी है। फिलहाल पुलिस ने मृतक का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया और मामले की जांच कर रही है।

मुंबई के स्टार एजुकेशन अवॉर्ड 2024 में सावलमेंढा के युवा ने बढ़ाया बैतूल का मान

धीरज शिवहरे को मिला लीडर ऑफ चेंज सम्मान, एआई टूल से शिक्षा जगत में मचाई धूम

बैतूल। जिले के सावलमेंढा के युवा धीरज शिवहरे ने मुंबई में आयोजित स्टार एजुकेशन अवार्ड 2024 के समापन समारोह में लीडर ऑफ चेंज पुरस्कार प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। यह सम्मान उन्हें उनके द्वारा विकसित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल के लिए प्रदान किया गया, जो शोध और शिक्षा क्षेत्र में शोधकर्ताओं और शिक्षकों के कार्यों को सरल और प्रभावी बनाता है। समारोह में द कोडिंग बी की सीईओ खुशबू चोपड़ा ने धीरज शिवहरे को यह सम्मान प्रदान किया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आए शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। धीरज शिवहरे का सत्र कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें उन्होंने अपने एआई टूल के उपयोग और उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह टूल शोधकर्ताओं को बड़े डेटा सेट का विश्लेषण करने और त्रुटियों की पहचान करने में मदद करता है, जिससे उनके कार्य अधिक तेज़ और सटीक हो जाते हैं। उन्होंने एआई के उपयोग को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले शिक्षाविदों ने उनके तकनीकी नवाचार की सराहना की और इसे शोध कार्यों के लिए अत्यंत उपयोगी उपकरण माना। धीरज शिवहरे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य एआई तकनीक शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए अधिक सरल और उपयोगी बने। तकनीक का अधिकतम लाभ शिक्षा और शोध के क्षेत्र में पहुंचे। इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों और चर्चाओं में शिक्षा और तकनीक के नवीनतम तरीकों पर भी गहन चर्चा हुई। धीरज शिवहरे का सत्र सबसे प्रभावशाली सत्रों में से एक रहा, जिसे हजारों शिक्षाविदों ने सराहा। उनका यह सम्मान बैतूल जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

रेल कर्मचारियों के महासम्मेलन में मान्यता चुनाव की रणनीति तय

एनपीएस से ओपीएस और प्रमोशन प्रमुख मुद्दे

बैतूल/भौरा। सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की बैतूल शाखा द्वारा मंगलवार को ढोढरा मोहर स्टेशन पर रेल कर्मचारियों का महासम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर जोनल अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वाजपेई, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, मंडल सचिव राकेश कुमार सहित मंडल और शाखा के

अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। महासम्मेलन में आगामी मान्यता चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। उपस्थित कर्मचारियों को 4 और 5 दिसंबर 2024 को होने वाले चुनाव में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से राष्ट्रीय पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग और रेल कर्मचारियों के प्रमोशन से जुड़े मुद्दों पर जोर दिया गया। जोनल अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वाजपेई ने कहा कि संघ राष्ट्रीय पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना में बदलाव और प्रमोशन की प्रक्रिया में सुधार जैसे कर्मचारियों के हित से जुड़े मुद्दों को लगातार सरकार और रेल प्रशासन के समक्ष उठाता रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संघ कर्मचारियों के अधिकारों और उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

मंडल अध्यक्ष ने जागरूकता की अपील की- मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव में कर्मचारियों की भूमिका अहम है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे संघ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए सही निर्णय लें और संघ को मजबूती प्रदान करें। कार्यक्रम का संचालन राजेश बारस्कर ने किया। महासम्मेलन में बैतूल शाखा के सैकड़ों रेल कर्मचारी शामिल हुए और उन्होंने अपने मुद्दों को प्रमुखता से रखा। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों ने कर्मचारियों को आने वाले मान्यता चुनाव में एकजुट होकर संघ को समर्थन देने की अपील की।

राजस्व महाअभियान 3.0 में जिला प्रदेश में अग्रणी

नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन आदि प्रकरणों के किया निराकरण

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप जन सामान्य के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि राजस्व से जुड़े प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए राजस्व महा अभियान 3.0 का जिले में सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के दिशा निर्देशन में राजस्व महाअभियान और राजस्व महाअभियान 2.0 के सफल क्रियान्वयन के पश्चात अब राजस्व महाअभियान 3.0 का भी सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। 15 नवंबर से प्रारंभ राजस्व अभियान 3.0 की कलेक्टर सूर्यवंशी द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। राजस्व महाअभियान की प्रगति की प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के समीक्षा के साथ मौका स्थलों पर जाकर भी कलेक्टर द्वारा निरीक्षण किया जा रहा हैं। जिसका परिणाम है कि बैतूल जिला इस महाअभियान के नामांतरण, विवादित बटवारा, अविवादित बंटवारा, सीमांकन ,नक्शा दुरुस्ती आदि विभिन्न पैरामीटर पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है। नामांतरण और अभिलेख दुरुस्ती में जिला प्रदेश में अव्वल है। इसी प्रकार जिला बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन में प्रदेश के प्रथम पांच जिलों में शामिल हैं। आंकड़ों के आधार पर 15 नवंबर तक की स्थिति में पंजीकृत 1023 नामांतरण के प्रकरणों में से 840 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। 82.11 प्रतिशत नामांतरण के प्रकरणों के निराकरण के साथ जिले की रैंक प्रदेश में प्रथम हैं। सीमांकन के दर्ज 411 प्रकरणों में से 404 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। सीमांकन के 98.30 प्रतिशत प्रकरणों के निराकरण के साथ जिला प्रदेश के प्रथम 5 जिलों में शामिल हैं। बंटवारा और परंपरागत रास्तों के चिन्हांकन में भी जिला अग्रणी है। अभियान के तहत नवीन दर्ज प्रकरणों में अभिलेख दुरुस्ती के दर्ज 211 प्रकरणों में से 210 प्रकरणों के निराकरण के साथ जिले की रैंक प्रदेश में प्रथम है। वही परंपरागत रास्तों के चिन्हांकन के नवीन दर्ज 153 प्रकरणों में से 40 प्रकरणों का निराकरण किया गया हैं। 73.86 प्रतिशत प्रकरणों के निराकरण के साथ जिले की रैंक प्रदेश में दूसरी हैं। सीमांकन, बटवारा और नामांतरण के भी नवीन दर्ज प्रकरणों का भी सतत निराकरण किया जा रहा। हाल ही में प्रारंभ शासन की योजना फार्मर रजिस्ट्री के भी पंजीकृत 268399 प्रकरणों के विरुद्ध 51423 प्रकरणों का निराकरण किया किया गया है। शेष दर्ज प्रकरणों का भी अभियान अंतर्गत निराकरण के निर्देश समस्त राजस्व अधिकारियों को दिए गए हैं।

प्रथम पेशी पर ही आमला की मीनाबाई के बंटवारे के प्रकरण का समाधान- राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत ग्राम धोसरा तहसील आमला निवासी मीना पति कुवरलाल द्वारा दिए गए बटवारा के आवेदन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 178 में निहित प्रावधानों के तहत सभी सह खातेदारों की आपसी सहमति से प्रथम पेशी पर ही आवेदित भूमि का बटवारा कर संशोधित खसरा नकल आवेदक को प्रदाय की गई। जिस पर आवेदक मीनाबाई ने तहसीलदार आमला को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण के निर्देश- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान अंतर्गत विभिन्न राजस्व प्रकरणों में सतत सुनवाई कर उनका निर्धारित समय सीमा में निराकरण कराएं। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी के स्टार पर सतत मॉनिटरिंग करें और अभियान में प्रगति बनाएं रखें।

हरिवंश राय बच्चन जी की जयंती पर हुआ कविता पाठ

भोपाल। आज वरिष्ठ कवि और रचनाकार हरिवंश राय बच्चन जी की जयंती है। रीडर्स क्लब के सदस्यों के लिए प्रस्तुत है उनकी तुलनात्मक रूप से कम सुनी गई एक कविता। आमतौर पर 'मधुशाला' की लोकप्रियता की आंधी में बच्चन जी की कई कविताएं गुणवत्ता के बाद भी लोकप्रिय नहीं हो पाईं।

निशा निमंत्रण

दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!
हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी–जल्दी चलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!

सांची मेला के अवसर पर सांची स्टेशन पर दो जोड़ी गाड़ियों का अस्थाई हाल्ट

भोपाल। रेलवे द्वारा चेतियागिरी विहार की 72वीं वर्षगांठ एवं साँची स्तूप पर अवशेषों की प्रदर्शनी के अवसर पर सांची में आयोजित मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिनांक 30.11.2024 एवं 01.12.2024 को साँची स्टेशन पर गाड़ी संख्या 12615/12616 पुरट्चि तलैवर डॉ. . एम. जी. रामचंद्रन (चेन्नै) सेंट्रल–नई दिल्ली–पुरट्चि तलैवर डॉ. एम. जी. रामचंद्रन (चेन्नै) सेंट्रल जी.टी. एक्सप्रेस एवं 18237/18238 कोरबा–अमृतसर–बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थाई हाल्ट प्रदान किया गया है। अस्थाई हाल्ट के विवरण की जानकारी निचे दी जा रही है।

1) गाड़ी संख्या 12615 पुरट्चि तलैवर डॉ.. एम. जी. रामचंद्रन (चेन्नै) सेंट्रल–नई दिल्ली जी.टी. एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर आवागम/प्रस्थान समय रात 19.10/19.12 बजे। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12616 नई दिल्ली–पुरट्चि तलैवर डॉ. एम. जी. रामचंद्रन (चेन्नै) सेंट्रल जी.टी. एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर आवागम/प्रस्थान समय मध्यरात्रि 02.46/02.48 बजे रहेगा।

2) गाड़ी संख्या 18237 कोरबा–अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस साँची स्टेशन पर 06.42 पहुँचकर, 06.44 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर–बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस साँची स्टेशन पर 17.22 पहुँचकर, 17.24 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

भारत नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024 में 11 स्थानों की छलांग लगाकर शीर्ष 50 देशों में शामिल हुआ

भारत कई संकेतकों में अग्रणी है- एआई, एफटीटीएच इंटरनेट सब्सक्रिप्शन

नईदिल्ली। भारत नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024 में 11 स्थानों की छलांग लगाकर शीर्ष 50 देशों में शामिल हो गया है। रिपोर्ट में प्रौद्योगिकी, लोग, शासन और प्रभाव के प्रदर्शन के आधार पर 133 अर्थव्यवस्थाओं के नेटवर्क रेडीनेस परिदृश्य को दर्शाया गया है।

21 नवंबर 2024 को जारी नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024 (एनआरआई 2024) रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अपनी स्थिति में 11 पायदान का सुधार किया है और अब 49 वें स्थान पर है, जबकि एनआरआई 2023 रिपोर्ट में 60 वें स्थान पर था। 2024 के अपने नवीनतम संस्करण में, रिपोर्ट ने चार अलग–अलग स्तंभों प्रौद्योगिकी, लोग, शासन और प्रभाव में उनके प्रदर्शन के आधार पर 133 अर्थव्यवस्थाओं के नेटवर्क–आधारित तत्परता परिदृश्य को दर्शाया है, जिसमें कुल 54 मापदंड शामिल हैं। रिपोर्ट वाशिंगटन डीसी स्थित एक स्वतंत्र गैर–लाभकारी अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थान पोर्टुलन्स इंस्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित की गई है।

भारत ने न केवल अपनी रैंकिंग में सुधार किया है, बल्कि 2023 में अपने स्कोर को 49.93 से 2024 में 53.63 तक सुधारा है। उल्लेखनीय है कि भारत कई संकेतकों में अग्रणी है।

विश्व शिल्प परिषद् के अध्यक्ष श्री साद अल क़द्दुमी एवं उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त सचिव विक्रमजीत सिंह ने श्रीनगर कश्मीर में मध्य प्रदेश के बाग प्रिंट हस्तशिल्प कला के युवा शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को सम्मानित किया।

राष्ट्रपति भवन प्रांगण में चेंज ऑफ गॉर्ड सेरेमनी शनिवार को आयोजित होगा

नईदिल्ली। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी इस शनिवार (30 नवंबर, 2024) से शीतकालीन समय सुबह 9 बजे से 10 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा।

मां के साथ मिलकर बॉयफ्रेंड से पिता का मर्डर कराया

सगाई के बाद भी प्रेमी से शादी की जिद; बोली-पिता के अवैध संबंध थे,मारता-पीटता था

खातेगांव (नप्र)। देवास जिले के कन्नौद में एक शख्स की हत्या उसकी ही बेटी ने अपने बॉयफ्रेंड और मां के साथ मिलकर की थी। युवती हिंदू लड़के से शादी करना चाहती थी, लेकिन पिता ने मना कर दिया और उसका रिश्ता दूसरी जगह तय कर दिया। इससे नाराज होकर बेटी ने पिता को मारने की साजिश रच डाली।

इस मामले में पुलिस ने 25 हजार मोबाइल नंबर, 150 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले, तब जाकर क्लू मिला। आखिरकार 26 नवंबर को पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में मृतक निसार की बेटी सिमरन, पत्नी रुखसाना, बेटी के बॉयफ्रेंड विशाल पंवार (बाबरिया) और उसके दोस्त दीपक मढ़िया को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से 12 बोर कट्टा, एक खाली खोखा और मोबाइल फोन जब्त हुआ है।

पुलिस के मुताबिक 22 नवंबर की सुबह 7 बजे कन्नौद में इलेक्ट्रिक वर्कशॉप संचालक निसार (45) पिता मुशर्रफ अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मीडिया ने एसपी पुनीत गेहलोत से बात की और जाना कि कैसे सिमरन ने पूरी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया।

भारत तिब्बत समन्वय संघ...

चीन के कब्जे से 40 हजार किमी. भूमि वापस लेने सांसदों को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। भारत तिब्बत समन्वय संघ के पदाधिकारी ने आज 14 नवंबर 1962 को भारत की संसद द्वारा पारित प्रस्ताव है यह चीन भारत युद्ध के दौरान अपनाए गए सर्वसम्मत प्रस्ताव में चीनी द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्र को आखिरी इंच तक वापस पाने का वादा किया था संसद की दोनों सदनों से कर संपत्ति से पारित इस अथवा सांसद प्रतिज्ञा के 62 वर्ष बाद भी आज हम जो कहते हैं यह हमें लज्जित करता है इसलिए आप पूरे विश्व में भारत की एक गौरवशाली छवि का निर्माण करने वाले मोदी जी आप शक्तिशाली भारत की छवि के लिए भी लगी है। इस कार्य में हम सब आपके साथ हैं संगठन के पदाधिकारी ने सांसदों को ज्ञापन दिया सांसदों के

प्रस्ताव को संसद संकल्प अथवा सांसद प्रतिज्ञा कहा जाता है यह सदन गहरी अफसोस के साथ नोट करता है कि एक दूसरे की स्वतंत्रता गैर आक्रामकता और गैर हस्तक्षेप और शांतिपूर्ण अस्तित्व की मान्यता के आधार पर चीन की पीपल सरकार के प्रति भारत द्वारा सद्भावना और मित्रता के समान संकेतों के बावजूद चीन ने इस सद्भावना और मित्रता और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के पांच सिद्धांत पंचशील के सिद्धांतों को यह विश्वास घात किया है कि जिस पर दोनों देशों के बीच समझी हुई थी और आक्रामकता की है और अपने सशस्त्र बलों द्वारा भारत पर बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया है हम सब अनुरोध करते कि चीन के चंगुल में भारत की लगभग 40000 वर्क किलोमीटर की भूमि वापस लेने के सारे प्रयास करने चाहिए ताकि हम अपनी भूमि वापस पा सके उक्त सांसद संकल्प नाम कविता पाटीदार गजेंद्र सिंह बंशीलाल गुर्जर राज्यसभा सांसद भारती बालाघाट सांसद अनीता चौहान रतलाम सांसद विवेक साहू छिंदवाड़ा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल बुरहानपुर महेंद्र सोलंकी देवास गजेंद्र पटेल खरगोन आशीष दुबे जबलपुर माया नारोलिया राज्यसभा सावित्री ठाकुर्धार शिवराज सिंह जी चौहान विदिशा दर्शन चौधरी होशंगाबाद नरसिंहपुर भारत तिब्बत समन्वय के पदाधिकारी मौजूद थे राजू मालवीय राष्टीय महामंत्री आर एस लता राष्ट्रीय मंत्री नीतू तिवारी प्रांतीय अध्यक्ष महिला विभाग संदीप रघुवंशी छेत्री उपाध्यक्ष बलराज नवानी बुरहानपुर जिला अध्यक्ष मनीष सोलंकी भोपाल जिला अध्यक्ष सविता मालवीय भोपाल जिला महामंत्री अनिल नर्मदे अचिंत्य तिवारी भोपाल युवा विभाग से प्रशांत पालीवाल युवा प्रांत अध्यक्ष आदि मौजूद थे।

जमनी हनुमान मंदिर में अखंड पाठ के 33 साल होने पर विशाल भंडारा, भजनों का आयोजन

सुबह सवेरे सोहागपुर। प्राचीन विख्यात पुण्य जमनी सरोवर स्थित हनुमंत लाल मंदिर परिसर में 26 नवंबर को अखंड पाठ के 33साल पूर्ण होने के उपरांत मंदिर परिसर को विघुत की रोशनी से जगमगा गया। वहीं जमनी सरोवर के मंदिर को भी विघुत की रोशनी से सजाया गया। मंदिर परिसर के अंदर नगर के आसपास के अलावा अन्य जिलों की श्री सीताराम संकीर्तन भजन मंडलियों ने झूम झूमकर श्री राम के भजनों पर गायन किया। इसको सुनने के लिए मंदिर परिसर खचाखच भरा होने के बाद मंदिर के बाहर भी श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति रही। इधर मंदिर के पीछे विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।जो रात्रि में निर्बाध चलता रहा। भंडारे में नगर के गणमान्य नागरिक के

अलावा आस-पास के ग्रामों के नागरिक उपस्थित थे।इस अवसर पर बावड़ी वाले मंदिर के महंत हरिकिशन दास जी, जमनी सरोवर के गुलशन महराज विशेष रूप से उपस्थित थे।हजारों की संख्या में मातृशक्ति के अलावा नागरिकों ने प्रसादी ग्रहण की। इधर मंदिर परिसर के बाहर चार एवं दो पहिया वाहनों की कतारें लग गई थी। उल्लेखनीय है कि संत शिरोमणी चांदीखेड़ी वाले दादाजी की कृपा से26 नवंबर 1991 से अखंड मानस पारायण पाठ प्रारंभ हुआ था। लगातार 33 सालों से पाठ क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का विषय बना हुआ है। ज्ञातव्य है कि इसकी प्रेरणा स्वगीर्य संत श्री ठाकुर शंकरप्रताप सिंह सिंग साहब ने दी थीं। उक्त क्रम अविरलता से चल रहा है।

सहोदया खेल प्रतियोगिता-ओवर ऑल चैम्पियन चावरा विद्यापीठ

नरसिंहपुर। जिले के सी.बी.एस.ई. स्कूल का संगठन सहोदया का वार्षिक जिला स्तरीय खेल व साहित्यक प्रतियोगिता का आयोजन गाडरवारा एन.टी.पी.सी. स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल में किया गया। सहोदया संगठन के अध्यक्ष चावरा विद्यापीठ प्राचार्य बाबूजॉन एवं सचिव काबरा स्कूलगाडरवारा की प्राचार्य हंसारिका सिंह ने बताया कि जिले की सभी सी.बी.एस.ई स्कूल जिनमें चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर, बाल भारती पब्लिक स्कूल एन.टी.पी.सी.गाडरवारा, रेवाश्री पब्लिक स्कूल करेली, रौशन धौरेलियाबर्ल्डस्कूल, न्यू ऐज पब्लिक स्कूल, सियाल इंटर नेशनल पब्लिक स्कूल, पं. नर्मदाप्रसाद मेमोरियल स्कूल गोटेगांव, मार्डन इंटर नेषलन स्कूल खुलरी, कारमेल स्कूल करेली, आर.डी.पी.एस. राजमार्ग, प्रेमादेवी खरयाकरेली, दक्ष इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा आदि ने व्हालीवॉल, चेस, एथलेटिक्स, खो-खो, डिबेट, त्वरितभाषण, स्पेल बी, ड्राइंग, हेण्डराइटिंग आदि विभिन्न विधाओं में भाग लिया। बालभारती स्कूल एन.टी.पी.सी.स्कूल प्राचार्यश्रीअनुराग ने प्रतियोगिता में अंतिम दिन ओवर ऑलचैम्पियन शिप चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर को प्रदान की। चावरा विद्यापीठ ने सभी प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओवर ऑल चैम्पियनशिप अपने नाम की। इस अवसर पर सभी स्कूलों के प्रतिभागी, खेल शिक्षक, संगठन अध्यक्ष फॉदर बाबूजॉन, सचिव हंसारिका सिंह, कोषाध्यक्ष श्रीमति शीतल परिहार, विनोद नेमा, अरूण के, विजयश्री विश्वकर्मा, अनीष पी.एन. एवं शबनम खान उपस्थित रहे। पुरूस्कार वितरण के पश्चात आभार प्रदर्शन बालभारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री अनुराग ने किया।

जमनी सरोवर में भंडारा

सोहागपुर। पुण्य जमनी सरोवर में अखंड पाठ के 33 साल पूर्ण होने के उपरांत मंगलवार रात्रि में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में भारी संख्या में नागरिकों एवं मातृशक्ति ने प्रसादी ग्रहण की।

संविधान दिवस पर कलेक्टर ने किया संविधान की उद्देशिका का वाचन

नरसिंहपुर। संविधान दिवस पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई हॉल में किया। इस दौरान मौजूद अधिकारी- कर्मचारियों ने भी संविधान की उद्देशिका का वाचन किया। इस अवसर पर संविधान की वीडियो क्लिप भी दिखाई गई। सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, संयुक्त कलेक्टर श्री शुभम यादव, अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

संसदीय कार्यमंत्री रिजिजु करेंगे सारीपुत्र महामोग्गल्लान की पवित्र अस्थियों के दर्शन

● थाईलैंड से डॉ सुपचाई वेरापूचोंग रहेंगे विशिष्ट अतिथि

सांची। केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री श्री किरन रिजिजु भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों सारीपुत्र एवं महामोग्गल्लान की पवित्र अस्थियों के दर्शन करने सांची आ रहे हैं। वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधि के रूप में 72वें सांची में 30 नवम्बर और 01 दिसम्बर को आयोजित महाबोधि उत्सव में भाग लेने आ रहे हैं। इस अवसर पर थाईलैंड से डॉ सुपचाई बेरापूचोंग, प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांची विधायक पूर्व मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1952 में डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन उप राष्ट्रपति के रूप में सांची आये थे। भगवान बुद्ध के परम शिष्यों सारीपुत्र एवं महामोग्गल्लान की पवित्र अस्थियों के दर्शन करना श्रद्धालुओं के लिए एक अभूतपूर्व अवसर है।

कौन हैं सारीपुत्र और महामोग्गल्लान?

भारत , श्रीलंका समेत सभी बौद्ध राष्टों में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के अगल बगल दो चीवरधारी साधु की प्रतिमा होती है । यही भगवान बुद्ध के दो मुख्य शिष्य अर्हन्त सारिपुत्र और अर्हन्त महामोग्गल्लान हैं। उन्नीसवीं सदी के अंत में जब साँची स्तूप की खुदाई हुई तो एक पत्थर शिला के अंदर दो अस्थि मञ्जूषा मिली। उत्तर दिशा में महामोग्गल्लान और दक्षिण दिशा में सारिपुत्र के अस्थि अवशेष मिले। जब गौतम बुद्ध की चर्चा होती है तो इन दो शिष्यों के ज्ञान और साधना का स्मरण होता है। सारिपुत्र को बुद्ध के बाद उनके वाणी कौशल , मुक्ति सिद्धांत प्रतिपादन की क्षमता के लिए जाना जाता है। उनकी नेतृत्व क्षमता, धम्म मीमांसा और विश्लेषण ज्ञान, विश्वसनीय मित्रता, भिक्षु कल्याण कार्य और धर्म पालन में अनुशासन के कारण ही उन्हें स्वयं गौतम बुद्ध ने धम्म सेनापति की उपाधि दी थी।

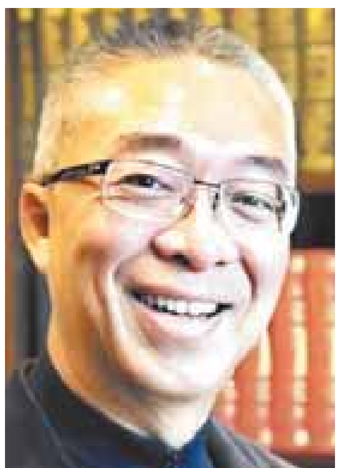

सारिपुत्र का कार्य बुद्ध वचनों को संग्रहित करना और सूचीवद्ध करना था। प्रवचन के समय अक्सर सारिपुत्र बुद्ध से प्रश्न करते और समाधान बताते। कभी कभी सारिपुत्र को प्रवचन देने का आदेश देते। दसुत्तर सूत्र और संगीति सूत्र का वाचन उन्होंने ही किया था। सारिपुत्र के प्रयास से विनय नियम को लागू किया गया और वह इसका पालन करते थे । महामोग्गल्लान और सारिपुत्र बचपन से ही अभिन्न मित्र थे। एक दूसरे का सम्मान करते थे। मोग्गल्लान बुद्ध के सभी निर्देशों का पालन करते हुई खुद को प्रशिक्षित किया। बुद्ध के मार्गदर्शन और निर्देश का पालन कर उन्होंने ज्ञान की पराकाष्ठा को प्राप्त किया और अर्हन्त बन गए।

जब बुद्ध ने दोनों को अपना मुख्य शिष्य घोषित किया और आदेश दिया की धर्म सभाओं में धर्म सेनापति सारिपुत्र मेरे दाहिने और रिद्धि सिद्धि के विद्वान् महामोग्गल्लान मेरे बायीं तरफ बैठेंगे तो संघ में कुछ भिक्षुओं ने इसका विरोध किया क्योंकि कई वरिष्ठ भिक्षु संघ में मौजूद थे । बुद्ध ने अपने शिष्यों के बारे में कहा, भिक्षुओं, मेरे शिष्यों में दोनों उत्कृष्ट और असाधारण हैं। उन्होंने तथागत के निर्देशों का उचित पालन करके श्रेष्ठ स्थान पाया है। ये सबके प्रिय और स्नेही है इसलिए संघ के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। ज्ञान की परिधि के बारे में बुद्ध ने कहा था कि कुछ प्रश्न ऐसे हैं जिनका उत्तर सिर्फ मैं दे सकता हूँ, सारिपुत्र नहीं। कुछ प्रश्न ऐसे हैं जिनका स्पष्टीकरण सारिपुत्र दे सकते हैं , मोग्गल्लान नही। कुछ शंकाओं का समाधान मोग्गल्लान के पास है अन्य शिष्यों के पास नहीं। दोनों की योग्यता के कारण ही बुद्ध ने अपने पुत्र राहुल की देखरेख और शिक्षा का दायित्व इनको दिया था। महापरिनिर्वाण सूत्र में भगवान बुद्ध ने चार स्थलों लुम्बिनी, बोधगया, इसीपत्तन (सारनाथ) और कुशीनगर को बौद्ध जगत के लिए पवित्र स्थान कहा था। यद्यपि भगवान बुद्ध कभी साँची नहीं पधारे लेकिन इसका महत्व थेरो महेंद्र और थेरनी संघमित्रा के श्रीलंका आगमन के कारण ही बढ़ा। दोनों साँची से ही श्रीलंका आये थे और 2300 साल पहले पवित्र बोधि बृक्ष की शाखा लाये जिसे अनुराधपुर स्थापित किया गया है। साँची, सम्राट अशोक के 84000 धर्मराजिक स्थलों में शुमार था। थेरो महेंद्र के प्रयास से ही त्रिपिटक का सिंघल प्राकृत भाषा में अनुवाद किया गया।

कैसे मिलीं सारीपुत्र और महामोग्गल्लान की अस्थियां?- दोनों शिष्यों के परिनिर्वाण के लगभग 300 वर्षों बाद सम्राट अशोक के शासन के दौरान इन अस्थि धातुओं को खोदा गया और राज्य के कई स्थानों पर स्तूप बनाया गया जिसमें साँची भी शामिल था। अशोक के बाद कई शासकों ने इसकी रक्षा की और और समय समय पर उसका जीणोद्धार किया। क़रीब आठ सौ साल तक इन स्तूपों को भुला दिया गया था। उन्नीसवीं सदी में ब्रिटिश पुरातत्व विद अलेक्सेंडर कनिंघम ने इन स्तूपों की खोज की। कनिंघम और कॅप्टन मेसी ने 1851 में साँची के स्तूप 3 और सतधारा के स्तूप 2 की खुदाई की। उसमे उन्हें एक पत्थर की वीथिका मिली जिस पर सपुरीसा सारिपुत्त और सपुरीसा महामोग्गल्लान लिखा था। इसको खोलने पर चीनी मिटटी की दो मञ्जूषा मिली जिस पर सा और मा लिखा था। कनिंघम ने जाँच कर इसे सारिपुत्त और महामोग्गल्लान के अस्थि अवशेष सत्यापित किया। कप्तान मेसी इन अवशेषों को इंग्लॅण्ड ले गया और इन्हें विक्टोरिया अल्बर्ट संग्रहालय में रख दिया। वर्ष 1935में इंग्लैंड की महाबोधि सोसाइटी ने ब्रिटिश सरकार से अनुरोध किया की इन अवशेषों को वापस किया जाय। कई वर्षों के प्रयास के बाद सरकार अवशेषों को वापस देने के लिए राज़ी हो गयी । 1851 में सोसाइटी के आनंद कौशल्यायन और देवप्रियबलि सिंह ने भारत लाने की अनुमति प्राप्त कर ली और उसे लेकर साँची आये। भोपाल ने साँची में चेतियगिरि विहार बनाने के लिए ज़मीं और धन दिया। 1952 के नवम्बर माह में अस्थियां चेतियागिरि विहार में स्थापित की गयी इसके निर्माण के लिए भोपाल नवाब ने ढाई एकड़ जमीन दान करते हुए हुए 25 हजार की राशि भी दी थी । हर वर्ष नवम्बर के आखिरी रविवार को इन अवशेषों को जनता के दर्शनार्थ रखा जाता है। श्रीलंका और बर्मा (म्यांमार) के अनुरोध पर इसके एक एक भाग उन्हें दिया गया। श्रीलंका के अग्रस्त्रावक महाविहार और म्यांमार के कोबे आये महाविहार में इन्हें स्थापित किया गया है।

अल्ट्रासाउंड शल्य चिकित्सा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

भोपाल। एम्स भोपाल ने बुधवार, 27 नवंबर 2024, को अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में अपने तीसरे रिसर्च शोकेस इवेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन का नेतृत्व एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने किया। यह वार्षिक आयोजन पिछले एक साल में चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में संस्थान की महत्वपूर्ण प्रगति को उजागर करता है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) अतुल गोयल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (लखनऊ) के पूर्व पीडियाट्रिक विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) रश्मि कुमार, ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रो. गोयल ने कहा कि एम्स भोपाल ने चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल में सुधार की बड़ी संभावनाएँ उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने युवा शोधकर्ताओं को समाज के लाभ के लिए अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि कुमार ने कहा कि एम्स भोपाल जैसे संस्थान देश में चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा में क्रांति ला रहे हैं। एम्स भोपाल के अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा, 'यह आयोजन एम्स भोपाल के लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे शोधकर्ताओं के योगदान और नवाचार को प्रदर्शित करता है।' प्रो. सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'आज का यह कार्यक्रम स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा में अनुसंधान की अहमियत को रेखांकित करता है। एम्स भोपाल हमेशा नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। यह आयोजन हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो चिकित्सा विज्ञान में ज्ञान और नवाचार के जरिए स्वास्थ्य देखभाल में बदलाव लाने पर केंद्रित है। इस मौके पर, डीन (रिसर्च) प्रो. (डॉ.) रेहान-उल-हक ने कहा कि तीसरा रिसर्च शोकेस इवेंट एम्स भोपाल के चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे प्रयासों को दिखता है। डीन (अकादमिक) प्रो. डॉ. रजनीश जोशी ने कहा, यहाँ के शोधकर्ता ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं और अपनी कड़ी मेहनत से चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान एम्स भोपाल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए शोधों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. अशोक कुमार ने मध्य भारत के लोगों में ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के प्रति प्रवृत्ति को समझने के लिए miRNA जेनेटिक वेरिएशन्स का अध्ययन कर रहे हैं, जो इस कैंसर से जुड़े आनुवांशिक जोखिमों पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है। वहीं, डॉ. सुखेस मुखर्जी मोरिंगा ओलिफेरा के जैव-सक्रिय यौगिकों की इन-सिलिको स्क्रीनिंग कर रहे हैं, जिसमें वे HIF-va/VEGF/GLUT-1 मार्गों को लक्षित करने वाले संभावित अवरोधकों की पहचान कर रहे हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर थेरेपी में उपयोगी हो सकते हैं। संक्रामक रोगों के क्षेत्र में, डॉ. देबासिस बिस्वास डेंगू बुखार की रोगजन्यता को संचालित करने वाली Th2-प्रधान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की जांच कर रहे हैं, जिससे इसके प्रतिरक्षा तंत्र को गहराई से समझने में मदद मिल रही है। इसी क्रम में, डॉ. एसआरएएन भूषणम पडाला प्री-ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके जटिल वायुमार्ग की भविष्यवाणी के लिए एक संभावित प्रेक्षणीय अध्ययन कर रहे हैं, जो शल्य चिकित्सा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। डॉ. गुंजन चौकसे ने मैक्सिलरी ऑब्चूरेटर के साथ पुनर्वासित रोगियों के मौखिक स्वास्थ्य से संबंधित जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन किया है, जिसमें कैंसर से संबंधित मैक्सिलेक्टॉमी और पोस्ट-कोविड-19 म्यूकोरमाइकोसिस वाले मरीजों के बीच परिणामों की तुलना की गई है। बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में, डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट मोटापे से ग्रस्त बच्चों में घरेलू और एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग की प्रभावशीलता का आकलन कर रहे हैं और इसके एंड-ऑर्गन डैमेज के साथ संबंध की जांच कर रहे हैं। उनका लक्ष्य उच्च रक्तचाप की प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन को बेहतर बनाना है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री चौहान से जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बुधवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय ग्रामीण विकास और

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से सौजन्य भेंट की। मंत्री डॉ. शाह ने पीएम जन-मन योजना में मध्यप्रदेश के 21 जिलों में कमजोर एवं पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) परिवारों के लिये 33 हजार 138 अतिरिक्त पीएम आवास मंजूर करने के लिये केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री चौहान का हृदय से आभार जताया। मंत्री डॉ. शाह ने केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान को पीएम जन-मन के तहत पीवीटीजी परिवारों के हित में किये जा रहे नवोन्मेषी प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी।

सिरफिरे की शर्मनाक करतूत

भोपाल की साइकार्टिस्ट के फोटो के साथ अश्लील पोस्ट, डिप्रेशन में आई पीड़िता ने की शिकायत

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईदगाह हिल्स इलाके में रहने वाली साइकार्टिस्ट (मनोवैज्ञानिक) की फोटो एक सिरफिरे ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट कर दी हैं। पोस्ट में युवती के मोबाइल नंबर के साथ अश्लील शब्द लिखे गए। इस पोस्ट के बाद युवती को अनजान नंबर से कॉल आने लगे।

उसके संबंध में अश्लील बातें की जाने लगी, इससे पीड़िता डिप्रेशन में आ गई। आरोपी लगातार उसे कॉल और मैसेज कर धमकी भी दे रहा है। बदनामी के डर से पीड़िता दो महीने तक चुप रही। अब उसने राज्य साइबर में आरोपी के खिलाफ शिकायत की है, पुलिस ने जांच शुरू कर दी हैं।

पीड़िता ने सुनाई आपबीती- 34 वर्षीय पीड़िता ईदगाह हिल्स इलाके में रहती है और साइकार्टिस्ट है। पीड़िता ने बताया कि वह फ्री लान्स वर्क करती है। आरोपी रजत तिवारी गंजबासौदा का रहने वाला है। खुद को वहां का बड़ा जमीदार बताता है। 2011 से 2014 तक आरोपी उन्हीं के साथ कॉलेज में पढ़ा है। इसी कारण दोनों की पहचान थी। बीते कुछ समय से आरोपी उन्हें इंस्टाग्राम पर फॉलो करने लगा।

यहीं दोबारा उससे बातचीत होने लगी। आरोपी ने उनसे नंबर ले लिया, बाद में कॉल करने लगा। कुछ समय तक सामान्य बातचीत हुई। बाद में आरोपी शराब के नशे में अश्लील बातें करने लगा। बात करना बंद किया तो उसने मैसेज कर धमकाना शुरू कर दिया। तब भी बात नहीं की तो बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद उसने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर एक पोस्ट तैयार की।

उनके फोटो का इस्तेमाल किया और इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। तब से मेरा जीना मुहाल हो चुका है। अलग-अलग नंबरों से कई कॉल आ चुके हैं। सभी लोग अश्लील बातें कर रहे हैं। अप शब्द कह रहे हैं। आरोपी से पोस्ट हटाने की मिन्नत की लेकिन उसने नहीं की।

मैसेज पर धमकाया कि पोस्ट अब क्राइम ब्रांच ही डिलीट करा सकती हैं। जा वहां जाकर शिकायत कर तब साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत की लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिली है। पोस्ट अब भी जस की तस है। आरोपी की प्रोफाइल पर अन्य युवतियों के भी अश्लील फोटो और वीडियो अपलोड हैं। यहां तक की चलती ट्रेन में भी उसने शराब पीते हुए वीडियो इंस्टा पर शेयर किए हैं। इस वीडियो में पुलिसकर्मी भी उसके साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं।

शिवपुरी की घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिए सख्त कार्यवाही के निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के ग्राम इंदरगढ़ में नल कनेक्शन को लेकर दो पक्षों में हुए आपसी विवाद में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। घटना में मृतक विष्णु जाटव के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को घटना स्थल पर पहुँच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अशांति फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा। मध्यप्रदेश में क्रूरता एवं अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है।

उल्लेखनीय है कि शिवपुरी जिले के ग्राम इंदरगढ़ में दो पक्षों में नल कलेक्शन को लेकर हुए विवाद में विष्णु जाटव को गंभीर चोटें आई थीं, जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा कार्रवाई में 8 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

ललितपुर-पिपरई-चंदेरी रेल लाइन के सर्वे को मिली स्वीकृति

केंद्रीय मंत्री सिंधिया की अनुशंसा पर रेल मंत्रालय ने लिया फैसला

भोपाल। ललितपुर से चंदेरी होते हुए पिपरई ब्रॉड गेज रेल लाइन के अंतिम स्थल सर्वे के लिए रेल मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। 2 करोड़ से होने वाले इस अंतिम स्थल सर्वे कार्य के लिए पिछले दिनों चंदेरी के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने केंद्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और उक्त ब्रॉड गेज रेल लाइन के डलने से रेलवे को होने वाले आर्थिक फायदे सहित यातायात की दृष्टि से क्षेत्र को मिलने वाली सुविधा से अवगत कराया गया था। साथ ही क्षेत्र के नागरिकों को रेल विभाग की मिलने वाली अतिरिक्त सुविधा की भी जानकारी दी थी। सिंधिया ने पत्र के साथ अपनी ओर से अनुशंसा पत्र रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सौंपा था। रेल मंत्रालय ने सिंधिया के पत्र पर तत्काल कार्रवाई करते हुए रेल अधिकारियों को पत्र लिखकर उक्त 80 किलोमीटर ब्रॉड गेज रेल लाइन के लिए अंतिम स्थल सर्वे की स्वीकृति प्रदान करते हुए 2 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। उल्लेखनीय है कि, उक्त रेलवे लाइन की लंबे समय से क्षेत्र की जनता द्वारा मांग की जाती रही, जिसे अब जाकर श्री सिंधिया के प्रयासों से पूर्ण होने की उम्मीद जगी है। उक्त लाइन का शीघ्र कार्य प्रारंभ होगा।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने 26/11 के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

यूके के इंडिया हाउस में स्मृति समारोह में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुंबई आतंकी हमले 26/11 की बरसी पर लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग द्वारा इंडिया हाउस में आयोजित स्मृति समारोह में देश के इतिहास की सबसे दुखद आतंकी घटना निरूपित किया। उन्होंने 26/11 में शहीद हुए वीरों को याद कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपने मर्मस्पर्शी संबोधन में उस भयावह घटना की पीड़ा और स्मृतियों को बयाँ किया, जिसने न केवल प्रत्यक्ष पीड़ितों को बल्कि पूरे देश को अन्तःमन तक झकझोर दिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस तरह की घटनाओं को भूलने के बजाय उनसे सबक लेना और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने का प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हमले में प्राणोत्सर्ग करने वालों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और एक शांतिपूर्ण भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने शहीदों की वीरता को सैल्यूट किया साथ ही उन जिंदगियों की दृढ़ता को भी सराहा जो इस त्रासदी से उबरकर आगे बढ़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडिया हाउस में 26/11 दुर्घटना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में हमले से संबंधित दुर्लभ फोटोग्राफ्स और अन्य जानकारी विजुअली प्रदर्शित की गई, जो उस दुखद घटना की स्याह सच्चाई को बयान कर रही थी।

आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं को जिला व मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी भाजपा

पदाधिकारियों के लिए संगठन ने तय कर दी है गाइड लाइन

- 40 वर्ष तक उम्र के कार्यकर्ता ही मंडल अध्यक्ष बनने के योग्य
- जिला अध्यक्ष के लिए 60 वर्ष की उम्र सीमा तय की गई है

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में संगठन चुनाव के तहत दिसंबर में भाजपा के मंडल और जिला अध्यक्ष बना दिए जाएंगे। चुनाव दो चरणों में होंगे। इसकी तैयारी के लिए बुधवार शाम प्रदेश कार्यालय में कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

पार्टी संगठन ने केंद्रीय नेतृत्व की तय गाइडलाइन के तहत कार्ययोजना बनाई है। जिन पर आर्थिक और आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, ऐसे नेताओं को जिला और मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। ऐसे नेता संगठन चुनाव में ही हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

आयुसीमा तय

वहीं, मंडल और जिला अध्यक्ष के लिए क्रमशः 40 और 60 वर्ष की आयु सीमा भी निर्धारित की गई है, यानी पार्टी युवा और वरिष्ठता दोनों ही श्रेणी के नेताओं को अवसर देगी। इसी तरह, अपने चहेतों को मंडल और जिला अध्यक्ष बनाने के लिए सांसद, विधायक या मंत्री की अनुशंसा भी नहीं चलेगी। इसको लेकर पार्टी संगठन ने पहले ही गाइड लाइन तय कर दी है।

कार्यशाला में ये रहेंगे उपस्थित

भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने बताया कि बुधवार को होने वाली कार्यशाला को पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद संबोधित करेंगे।

कार्यशाला में प्रदेश कोर कमेटी, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, महापौर, नेता प्रतिपक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष व महामंत्री, प्रदेश निर्वाचन टोली, प्रदेश सक्रिय सदस्यता टोली, जिला निर्वाचन टोली, बूथ प्रबंधन जिला प्रभारी उपस्थित रहेंगे।

बूथ समितियों के गठन की सराहना

वहीं, मप्र के भाजपा संगठन की बूथ समितियों के गठन की शीर्ष नेतृत्व ने सराहना की है। अब पार्टी का फोकस मंडल और जिला अध्यक्ष के संगठन चुनाव पर है। हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में दिल्ली में हुई बैठक में मिली गाइडलाइन के बाद प्रदेश संगठन ने यह कार्यशाला आयोजित की है। कार्यशाला के बाद पार्टी संगठन बुधनी और विजयपुर उपचुनाव को लेकर भी चर्चा करेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने रविन्द्र भवन भोपाल में आयोजित 'जनजातीय गौरव' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित किया।
इस अवसर पर आयोजित 'जनजातीय गौरव' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

फरियादिया पर फिदा टीआई हुआ सस्पेंड

खंडवा (नप्र)। पति-पत्नी के बीच विवाद की शिकायत थाने में करना महिला के लिए परेशानी की वजह बन गई। पीड़िता की मनोस्थिति और परेशानी का लाभ उठाते हुए हरसूद थाना प्रभारी अमित कोरी ने ही महिला पर डोरे डालना शुरू कर दिया।

मोबाइल पर बार-बार मैसेज करता था टीआई- पीड़िता का आरोप है कि टीआई उसके मोबाइल पर बार-बार मैसेज कर उनके साथ रहने का दबाव बनाकर परेशान करने लगे। विरोध करने पर धमकाया गया। टीआई की करतूतों से परेशान होकर महिला ने बुधवार देर शाम स्वजनों के साथ खंडवा पहुंचकर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय को शिकायत की।

सोशल मीडिया पर स्टॉकिंग-इस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा हरसूद टीआई कोरी को लाइन अटैच करने के निर्देश देकर एएसपी को विभागीय जांच सौंपी है। हरसूद थाना क्षेत्र अंतर्गत टीआई कोरी पर एक महिला को सोशल मीडिया पर स्टॉकिंग कर धमकाने का मामला सामने आया है।

महिला का मोबाइल नंबर ले लिया था- पीड़िता की मां का कहना है कि बेटी की शादी के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर दोनों थाने गए थे। तब टीआई ने मेरी बेटी का मोबाइल नंबर ले लिया था, उस पर मैसेज कर ब्लैकमेल करने लगे। टीआई ने उसे पति को छोड़ उनके साथ रहने के लिए प्रलोभन भी दिए। घटना करीब पांच से छह माह पुरानी बताई जा रही है। बाद में पति-पत्नी के बीच समझौता हो जाने पर साथ रहने लगे। इसके बाद भी टीआई लगातार परेशान कर धमकाने लगे। मोबाइल पर अकाउंट ब्लॉक करने पर एक बार घर आकर भी छेड़छाड़ की कोशिश की।

एसपी को दिखाई मोबाइल की चैटिंग और वाइस रिकॉर्डिंग- मंगलवार शाम करीब सात बजे एसपी से मिलने पहुंची पीड़िता ने आवेदन के साथ ही मोबाइल में दर्ज चैटिंग और वाइस रिकॉर्डिंग से भी पुलिस अधीक्षक को अवगत करवाया गया। मामला महिला प्रताड़ना का होने से पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए हरसूद टीआई कोरी को लाइन अटैच कर मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राजेश रघुवंशी को सौंपी गई है। थाना प्रभारी हरसूद के विरुद्ध महिला द्वारा की गई शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा जांच के आदेश दिए गए हैं। फिलहाल टीआई को लाइन अटैच किया है।

सागर में हंसिया से गर्दन काटकर पत्नी की हत्या

धड़ घर के बाहर, सिर 600 मीटर दूर पेड़ में फंसा मिला

सागर (नप्र)। सागर में 70 साल के पति ने 65 वर्षीय पत्नी की गर्दन काटकर हत्या कर दी। फिर धड़ से सिर अलग किया और बालों को रस्सी से बांधकर घर से करीब 600 मीटर दूर पेड़ के तने में फंसा दिया।

घर के दहलान में सिरकटा शव देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा बनाकर सिर की सर्चिंग शुरू की। गांव से करीब 600 मीटर दूर ज्वालादेवी मंदिर रोड पर एक पेड़ के तने के बीच सिर नजर आया। मामला राहतगढ़ थाना इलाके के टेहरा-टेहरी गांव का है। महिला की पहचान राधारानी (65) के रूप में हुई है। आरोपी पति खूबचंद साहू (70) फरार है, जिसकी वजह से वारदात का कारण सामने नहीं आ पाया है।

रात 1.30 बजे पति-पत्नी को एक साथ देखा- पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि खूबचंद के घर में मंगलवार रात भजन हुए थे। देर रात करीब 1.30 बजे लोगों ने राधारानी और खूबचंद को एक साथ देखा था। सुबह राधारानी का खून से लथपथ शव मिला। फिलहाल पुलिस मानकर चल रही है कि खूबचंद ने ही पत्नी राधारानी की हंसिया से गर्दन काटकर हत्या की है। उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

सभी राजनीतिक दल विजयपुर एवं बुधनी विधानसभा क्षेत्र के लिये कर दें बीएलए की नियुक्ति : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने बुधवार को निर्वाचन सदन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन की जानकारी पेन ड्राइव में प्रदान की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि उप निर्वाचन होने के कारण प्रदेश के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रं.-2 विजयपुर एवं क्र-156 बुधनी की मतदाता सूची के प्रारूप का प्रारंभिक प्रकाशन 27 नवम्बर को किया गया। इसी दिन से दोनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, वोटर आईडी कार्ड में संशोधन कराने और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक प्रारूप पर दावे-आपत्तियां 12 दिसम्बर तक प्राप्त की जायेंगी। आगामी 30 नवम्बर एवं 8 दिसम्बर 2024 को दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कैम्प लगाकर नाम जुड़वाने, हटाने, संशोधन कराने के लिये विशेष अभियान चलाया जाएगा। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर कार्यालयीन समय में बीएलओ उपस्थित रहेंगे। प्राप्त सभी दावे-आपत्तियों का 24 दिसम्बर तक निराकरण किया जाएगा। इसके उपरांत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2025 को किया जाएगा। बैठक में सीईओ श्री सिंह ने सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे दोनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों के लिये अपने-अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की नियुक्ति अवश्य कर दें। यदि बीएलए नियुक्त हैं, तो उन्हें और अधिक सक्रिय होने के लिये निर्देशित करें। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे, श्री विवेक श्रोतिय, भारतीय जनता पार्टी से श्री एस.एस. उप्पल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी से श्री जे.पी. धनोपिया, आम आदमी पार्टी से श्री सुमित सिंह चौहान एवं बहुजन समाज पार्टी से श्री पूर्णेंद्र अहिरवार उपस्थित रहे।

एक जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी करने वाले मतदाता सूची में नाम जुड़वाने करें आवेदन- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने बताया कि इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों के निवासी, जो युवा 1 जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं।